राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,03 नवेम्बर-2021 वर्ष-4,अंक-283 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में लिव इन में रह रहा दम्पति लालच में घर से भागा किशोरी,बनी छेड़छाड़ का शिकार

क्रांति समय,सूरत

सूरत में एक चेतावनी का मामला सामने आया है। जिसमें कतरगाम इलाके में रहने वाली किशोरी अपने घर से भाग गई। परिजनों ने अपहरण की प्राथमिकी भी दर्ज करायी है. इस बीच किशोरी एक सप्ताह बाद घर लौटी। जांच के दौरान पुलिस को चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जिसमें लिव-इन में रहने वाला एक दंपत्ति अपने लालची घर से भाग रहा था। फिर कपल ने उसे दूसरे युवक के घर भेज दिया। जहां युवकों ने सगीरा को चिढ़ाया। किशोरी अपने परिवार को बताए बिना घर भाग गई, उसके पैतृक शहर भावनगर (बदला हुआ नाम) में कोई जानकारी नहीं मिली, एक 17 वर्षीय दंपति का एक बेटा और बेटी है। 10 अक्टूबर को बेटी प्रियंका (बदला हुआ नाम) बिना परिवार को बताए चली गई। तलाश करने के बाद भी प्रियंका नहीं मिली। इसलिए चोकबाजार थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है.

किशोरी ने कहा कि वह अपने माता-पिता के उत्पीड़न से तंग आ गई और भाग गई ।पुलिस ने अपहरण की जांच शुरूकी थी। इस बीच किशोरी एक सप्ताह बाद घर वापस आई थी। उस समय किशोरी घर छोड़कर चली गई थी क्योंकि वह अपनी मां द्वारा प्रताड़ित किए जाने सहित छोटे-मोटे मामलों में तंग आ चुकी थी। हालांकि पुलिस की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। दंपत्ति ने युवती को खोजने में मदद करने के लिए गए थे आरोपी पुलिस ने कहा कि उसे अपहर्ताओं की बातों पर विश्वास था, आस-पास गोहिल सोसायटी लिव-काजल मिश्रा और इनाम में रहने वाले किशोर। कहा, हमारे साथ रहोगे तो तुम्हारी जिंदगी सुधर जाएगी। किसी अच्छे लड़के से शादी करो। तो लालची किशोरी घर से भाग गई और काजल के घर रहने चली गई। किशोरी कुछ दिनों तक काजल के घर पर रही। दूसरी ओर, काजल किशोरी के माता-पिता से मिली और उसे खोजने का नाटक भी किया। किशोरी ने घर पर होने के बावजूद मामले को छुपाया। टीजर और कपल को गिरफ्तार कर लिया गया और प्रियंका को प्रकाश नागर नाम के युवक को कुछ दिनों तक घर में रखने के बाद घर भेज दिया गया। जहां प्रकाश किशोरी को छेड़ रहा था। तो काजल और किशोर प्रियंका को घर छोड़ने गए।

पुलिस ने बताया कि किशोरी ने उस वक्त डर के मारे पूरी बात छुपाई. पुलिस ने काजल, किशोर और प्रकाश को अपहरण, छेड़छाड़ और चेचक की धारा के मामले में गिरफ्तार किया है।

दीपावली से पहले रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा शहर-उत्साह का माहौल

क्रांति समय,सूरत

सूरत शहर में दिवाली का भव्य जश्न मनाया जा रहा है। राज्याभिषेक काल के बाद औद्योगिक शहर सूरत ने एक बार फिर गति पकड़ ली है। बहुत अच्छी तरह से नियोजित व्यवसाय सभी क्षेत्रों में पनपते हैं। पिछले दस-पंद्रह दिनों में सूरत के सभी बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सूरत शहर हर तरफ से सुशोभित है। शहर में नवनिर्मित सौंदर्यीकरण मंडल आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। सूरत शहर के अंदर दिवाली की चमक साफ दिखाई दे रही है। औद्योगिक शहर के अंदर लोग बहुत उत्साह से जश्न मना रहे हैं। सूरत में अधिकांश सर्कल लाइटिंग सूरत शहर के अदजन गैस सर्कल, जागीरपुरा सर्कल,मजुरागेटसरकार, एसवीएनआईटीसर्कल, सरथाना आदि क्षेत्रों में की गई है। शहर का अधिकांश हिस्सा भी रोशनी से जगमगा रहा है। खूबसूरत पीपल एरिया के अंदर भी रोशनी काफी आकर्षक होती जा रही है। निगम द्वारा दी गई लाइटिंग सूरत निगम ने लाखों रुपये की लागत से शहर के अंदर रोशनी की व्यवस्था की है। पूरे शहर में केबल स्टे ब्रिज, नवनिर्मित पाल ब्रिज आदि को रोशन किया गया है। शहर का पॉश इलाका कराई रिंग रोड क्षेत्र के निजी भवनों के साथ-साथ कपड़ा बाजार, वराछा क्षेत्र, पीपलोड क्षेत्र, सिटीलाइट जैसे पॉश इलाके से जगमगाता है.

अलग-अलग शॉपिंग मॉल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भी आकर्षक रोशनी देखने को मिल रही है। सूरत शहर हर तरफ से दुल्हन की तरह सजी है।

चलती बाइक से गिरी बैग को उठाने गई महिला की कार की चपेट में आकर मौत

क्रांति समय,सूरत

सूरत,शहर के पांडेसरा क्षेत्र में आज सुबह चलती मोटर साइकिल से बैग गिरने पर उसे लेने गई महिला कार की चपेट में आ गई और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब महिला अपने पति के साथ मुंबई घूमने जा रही थी। जानकारी के मुताबिक सूरत के अलथाण होम्स में रहनेवाले विमल श्रीवास्तव मेडिकल स्टोर में दवाईयों की डिलीवरी करने का काम करते हैं। पांच साल पहले विमल ने सोनल नामक युवती से प्रेम विवाह किया था।

सुबह विमल श्रीवास्तव पत्नी सोनल के साथ मुंबई घूमने जा रहे थे। घर से मोटर साइकिल पर निकला दंपत्ति रेलवे स्टेशन पर बाइक पार्क कर ट्रेन से मुंबई जानेवाला था। लेकिन रास्ते में कूदीगाम के निकट चलती बाइक से कपड़ों की बैग नीचे गिर गई। जिसे लेने के लिए विमल ने बाइक रोक दी। सोनल बाइक से उतर कर कपड़ों की बैग लेने जा रही थी। उस वक्तवहां से गुजर रही कार ने सोनल को अपनी चपेट में ले लिया।

इस हादसे में गंभीर रूप से घायल सोनल को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री की कर्मचारियों को दिवाली भेंट, 560 आवासों का किया लोकार्पण

क्रांति समय,सूरत

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने दिवाली से पहले सरकारी कर्मचारियों को बड़ी भेंट दी। गुजरात सरकार ने अपने

कर्मचारियों के लिए रु 149.80 करोड़ का खर्च 560 आवासों का निर्माण करवाया था। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आज 'वीर भगतसिंह नगर' में बी और सी टाइप के आवासों का लोकार्पण किया। राज्य सरकार के मार्ग-आवास विभाग की ओर से बी टाइप के 280 और सी टाइप के 280 आवास बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर एक बालिका से कुंभ रखवाकर गृह प्रवेश कराया। साथ ही सी टाइप आवास के ब्लोक में जाकर उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। सरकारी कर्मचारियों के बने इन आवासों में वीट्रीफाइड टाइल्स, फिक्स फर्निचर, पीएनजी गैस पाइप लाइन कनैक्शन, लिफ्ट, फायर सेफ्टी सुविधा, चिल्ड्रन प्ले एरिया, गार्डन, विशाल पार्किंग एवं सिक्युरिटी कैबिन जैसी सुविधा उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने लोकार्पण के अवसर पर प्रतीक स्वरूप पांच लाभार्थियों को घर की चाबी सौंपी।

सरकारी कॉलोनियों को राष्ट्रवीरों नाम देने की नई परंपरा के अंतर्गत इन 560 आवासों की कॉलोनी को वीर भगतसिंह नगर नाम दिया गया है। गांधीनगर में पिछले 5 सालों में श्यामजी कृष्ण वर्मा, वीर सावरकर नगर और वंदेमातरम पार्क नामकरण के साथ कुल 1120 आवास रु 219 करोड़ की लागत तैयार कर सरकारी कर्मचारियों को आवंटित किए

जा चुके हैं। रु 365 करोड़ की लागत से अन्य 1456 आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आवास लोकार्पण के मौके पर मार्ग-आवास मंत्री पूर्णेश मोदी, सांसद नरहरि अमीन, गांधीनगर के नवनियुक्त मेयर हितेश मकवाणा, डिप्टी मेयर प्रेमलसिंह गोल, स्थायी समिति के अध्यक्ष जशवंत पटेल, सचिव संदीप वसावा, मुख्य अभियंता पटेलिया, नगर पार्षद इत्यादि मौजूद रहे।

ऋषिकेश में राजकोट के एक परिवार के तीन सदस्यों की गंगा में डूबकर मौत

क्रांति समय,सूरत

राजकोट का लोहाना परिवार उत्तराखंड के ऋषिकेश गया था, जहां गंगा में डूबने से तीन सदस्यों की मौत हो गई। दिवाली से पहले तीन सदस्यों की मौत से परिवार शोक में डूब गया। राजकोट के बजरंगवाडी क्षेत्र में रहने वाले दिलीपभाई कारिया परिवार के साथ उत्तराखंड के ऋषिकेश गए थे। सोमवार की शाम ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव के निकट दिलीपभाई कारिया की नातिन गंगा नदी में नहाने गई थी। पत्थरों पर पैर पड़ने से वह फिसल गई और उसी वक्तपानी का प्रवाह तेज होने से वह उसमें बहने लगी। नातिन को बचाने के प्रयास में पहले दिलीपभाई कारिया की पत्नी ने और बाद में दामाद ने भी नदी में छलांग लगा दी। इस प्रयास में दोनों भी नदी के तेज प्रवाह में बह गए। इस घटना में दिलीपभाई कारिया की पत्नी, नातिन और दामाद की पानी में डूबने से मौत हो गई। देर रात तीनों के शव गंगा नदी से बरामद हुए हैं। दिवाली से पहले तीन सदस्यों की मौत ने परिवार को झकझोकर रख दिया है।

नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फांस कर युवक ने किया कई दफा दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत

सोशल मीडिया के जरिए एक नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फांसकर युवक ने उसको

प्रतीकात्मक फोटा

अलग अलग जगह ले जाकर कई दफा दुष्कर्म किया। मामला थाने पहुंचने पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र में रहने वाला 27 वर्षीय अब्दुल कैयूमखान पठान नामक शख्स ने सोशल मीडिया के जरिए 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फंसा लिया। लड़की के फंसने के बाद अब्दुल ने वॉट्सएप पर उसकी कई अश्लील तस्वीरें मंगवाई। लड़की ने अपनी ऐसी कई तस्वीर उसे भेजकर बहुत बड़ी गलती कर दी।

अब्दुल अश्लील तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर नाबालिग लड़की को अलग अलग होटल और गेस्टहाउस में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म करने लगा।

लड़की के परिवार को जब इसका पता चला तो उसने बिना देर किए पुलिस थाने में अब्दुल कैयूम पठान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी अब्दुल पठान को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी

दिवाली से पहले महंगाई का एक और डोज,गुजरात गैस ने बढ़ाए सीएनजी-पीएनजी के दाम

क्रांति समय,सूरत

दीपावली से पहले गुजरात की जनता को एक और झटका लगा है। पहले अदानी और अब गुजरात गैस ने भी

सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में इजाफा कर दिया है। गुजरात गैस ने सीएनजी में प्रति किलो रु 5 और पीएनजी में प्रति किलो रु 2.50 की वृद्धि की है।

रु 5 की वृद्धि होने से सीएनजी प्रति किलो रु 65.75 हो गया है। जबकि रु 2.50 की बढ़ोत्तरी के साथ पीएनजी प्रति किलो रु 29.59 हो गया है।

जिसमें 15 प्रतिशत वेट तो अलग से भुगतान करना होगा। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि होने से पहले ही महंगाई आसमान छू रही है। अब सीएनजी और पीएनजी में बढ़ोत्तरी आम आदमी का जीना मुहाल कर देगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोयले का विकल्प

कोयला के उपयोग पर लगाम लगाने के लिए विश्वव्यापी प्रयास पर्यावरण की दृष्टि से भले ही स्वागतयोग्य हों, लेकिन विकासशील देशों की आर्थिक प्रगति को इससे एक झटका लग सकता है। इसमें शक नहीं कि रोम की बैठक या ग्लासगो में चल रहे जलवायु सम्मेलन में कोयले के खिलाफ माहौल है, लेकिन जमीनी हकीकत व व्यावहारिकता देखते हुए ही कोई फैसला करना चाहिए। भारत अगर कोयले का विकल्प नहीं खोज पा रहा है, यदि परमाणु, पनबिजली और अक्षय ऊर्जा में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है, तो वह कोयले का इस्तेमाल कम करने का वादा कैसे कर सकता है? ज्यादातर देश कोयले से तत्काल पीछा नहीं छुड़ा सकते। प्रदूषण रहित ऊर्जा की मंजिल अभी दूर है और इसके लिए विकसित देशों को विशेष रूप से प्रयास करने पड़ेंगे। सबसे अच्छी बात यह कि जो दुनिया जलवायु के मोर्चे पर राष्ट्रपति ट्रंप के समय ठहर गई थी, वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के समय आगे बढ़ी है। जलवायु सम्मेलन में भारत की ओर से यह बात उचित ही सामने आई है कि भारत को न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप (एनएसजी) में शामिल किया जाए। हां, परमाणु ऊर्जा कोयला जनित ऊर्जा का मजबूत विकल्प हो सकती है, लेकिन परमाणु ऊर्जा के लिए हमारे पास यथोचित संसाधन नहीं हैं। संसाधन इसलिए नहीं मिल रहे, क्योंकि भारत एनएसजी में नहीं है। भारत एनएसजी में इसलिए नहीं है, क्योंकि यहां उसकी राह में चीन रोड़ा है। वह कभी नहीं चाहेगा कि भारत की परमाणु ताकत बढ़े या भारत हरित ऊर्जा के मामले में कामयाब देश हो जाए। भारत की ओर से एनएसजी सदस्यता की बात बिल्कुल सही समय पर सामने आई है। जी-20 की बैठक में शामिल होने के लिए चीन के राष्ट्रपति आए ही नहीं, लेकिन भारत की शिकायत उन तक जरूर पहुंची होगी। भारत का परमाणु रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, लेकिन इसके बावजूद चीन बाधा बन रहा है। अमेरिका बहुत पहले से सहमत है कि भारत को एनएसजी की सदस्यता मिलनी चाहिए। ध्यान रहे, भारत में 281 कोल पॉवर प्लांट हैं, जबकि 28 तैयार हो रहे हैं और 23 अन्य प्रस्तावित हैं। कोयला भारत की मजबूरी है और चीन की भी। चीन में तो 1,000 से ज्यादा प्लांट हैं और लगभग 250 प्लांट निर्माणाधीन हैं। अतः चीनी राष्ट्रपति का रोम या ग्लासगो न पहुंचना बहुत आश्चर्य का विषय नहीं है। आज जलवायु व पृथ्वी को बचाने के लिए बड़े और शक्तिशाली देशों का सहमत होना ज्यादा जरूरी है। जी-20 देशों के नेता कोयले से बिजली बनाना खत्म करने के बारे में किसी तरह की आश्वासन नहीं दे सके हैं। भारत जैसे कई देश कह चुके हैं कि वे कोयले का इस्तेमाल बंद नहीं करेंगे। भारत ने तो कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिए लक्ष्य तय करने तक से इनकार कर दिया है। भारत की स्थिति छिपी नहीं है, विकास तेज करने के लिए भारत को सस्ती ऊर्जा चाहिए। सस्ती ऊर्जा से अगर हम दूर जाएंगे, तो गरीबी और भूख से कैसे मुकाबला करेंगे? कमोबेश ऐसी ही मंशा दूसरे देशों की भी है। जो विकसित है, उसे और धन की तमन्ना है और जो पिछड़ा या विकासशील है, उसे अपने विकास की चिंता सताने लगी है। अचरज नहीं कि इटली के रोम में हुआ जी-20 सम्मेलन विशेष प्रगतिशील कदम साबित नहीं हो पाया, क्योंकि दुनिया के सबसे ताकतवर 20 देश कोई बड़ा वादा नहीं कर पाए।

दीपोत्स्व : परोपकारी जीवन का आग्रह

लक्ष्मी के दो रूप हैं, भूदेवी और श्रीदेवी। भूदेवी धरती की देवी हैं और श्रीदेवी स्वर्ग की देवी। पहली उर्वरा से जुड़ी हैं, जबकि दूसरी महिमा और शक्ति से। भूदेवी सोने और अन्न के रूप में वर्षा करती हैं दूसरी शक्तियां, समृद्धि और पहचान देती हैं। भूदेवी सरल और सहयोगी पत्नी हैं जो अपने पति विष्णु की सेवा करती हैं। पुराणों में लक्ष्मी के तीन पितर हैं - वरुण, पुलोमान और भ्राता। वरुण वेदों में असुर हैं, लेकिन जलस्रोत के रूप में कल्याणकारी होने के कारण पुराणों में वे देव माने गये हैं।

(लेखक- राकेश कुमार वर्मा)

दीपों का पर्व दीपावली, लक्ष्मी को प्रसन्न् करने के रूप में मनाया जाता है। इससे जुड़े प्रचलित मिथकों में कमलारूढ़ लाल वस्त्राव, आभूषणयुक्त्, स्वसर्ण व अन्नक से भरे पात्र के सहित सुख, समृद्धि, की देवी लक्ष्मीा है जो सम्मोहक और चंचल हैं, जिसे बनाये रखना ,क सतत संघर्ष है। दुर्लभ और बहुमूल्य हाथी उन पर पानी की बौछार करते हैं। उनकी बगल में उनकी जुड़वां बहन अलक्ष्मी बैठती हैं जो गरीबी, दुख और दुर्भाग्य की देवी हैं। कुछ कहानियों के अनुसार ये समुद्र मंथन के दौरान वासुकी नाग का विष है। ;क्योंरकि कचरा किसी भी निर्माण प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है अतऐव इसका प्रबंधन भी अपरिहार्य हैद्ध शिव वैश्विक वस्तुरओं के प्रति उदासीन हैं इसलि, वे इच्छित व अवांछितों में फर्क नहीं करते हैं। उनकी दृष्टि में हलाहल भी अमृत से अलग नहीं है इसलि, वे विष धारण कर नीलकंठ कहलाते है। वैष्णव साहित्य में हालाहल को अलक्ष्मी से जोड़ कर देखा गया है जो दुर्भाग्य और दारिद्रय की देवी हैं और लक्ष्मी की जुड़वां बहन है। लक्ष्मी का संबंध मिष्ठान्न से है जबकि अलक्ष्मी का संबंध खट्टी और कड़वी वस्तुठओं से। यही वजह है कि मिठाई घर के भीतर रखी जाती है जबकि नीबू और तीखी मिर्ची घर के बाहर टँगी हुई देखी जाती है। लक्ष्मी मिष्ठान्न खाने घर के अंदर आती हैं जबकि अलक्ष्मी द्वार पर नींबू और मिर्ची प्राप्तट कर संतुष्ट हो लौट जाती हैं। दोनों को ही स्वीकार किया जाता है पर स्वागत ,क का ही होता है। लक्ष्मी के दो रूप हैं, भूदेवी और श्रीदेवी। भूदेवी धरती की देवी हैं और श्रीदेवी स्वर्ग की देवी। पहली उर्वरा से जुड़ी हैं, जबकि दूसरी महिमा और शक्ति से। भूदेवी सोने और अन्न के रूप में वर्षा करती हैं दूसरी शक्तियां, समृद्धि और पहचान देती हैं। भूदेवी सरल और सहयोगी पत्नी हैं जो अपने पति विष्णु की सेवा करती हैं। पुराणों में लक्ष्मी के तीन पितर हैं - वरुण, पुलोमान और भ्राता। वरुण वेदों में असुर हैं, लेकिन जलस्रोत के रूप में कल्याणकारी होने के कारण पुराणों में वे देव माने गये हैं। पुराणों में पुलमन को असुर-राजा और भृगु को असुर-गुरु बताया गया है। इससे लक्ष्मी असुरों की पुत्री हुईं। पुराणों में देव और असुर दोनों ब्रह्मा की संतान हैं। देव पृथ्वी पर जबकि असुर पृथ्वी के नीचे रहते हैं। जल, बीज अंकुरण तत्व या खनिज संपदा जैसे सभी द्रव्यज पृथ्वी के भीतर मौजूद है, जिसके लिए हमें सूर्य, पवन, अग्नि और वर्षा ;इंद्र की आवश्यकता है, मानवीय पक्ष में इनकी तत्वों रचनात्मकता होने के कारण यह देवता बन जाते हैं जबकि मानवता विरुद्ध लक्ष्मी को साझा करने के कारण असुर राक्षस बन जाते हैं । मानव को पृथ्वी से धन प्राप्ति के लिए, कृषि और खनन प्रक्रियाओं पर आश्रित रहना पड़ता है। असुरों के गुरु भृगु दूरदर्शिता से जुड़े हैं। उनका पुत्र शुक्र रचनात्मकता से जुड़ा है। जिनमें धन पैदा करने की संभावना अधिक है। इसीलिए लक्ष्मी को भृगु की पुत्री भार्गवी और शुक्र की बहन बनाता है । लक्ष्मी का महत्वस तब होता है जब वह अपने पिता से मुक्ती हो पृथ्वीत के ऊपर आती है। धन का निर्माण एक हिंसक प्रक्रिया है। खेत और मानव बस्तियों के लिए रास्ता बनाने के लिए जंगलों को नष्ट किया जाता है,जिससे कई जीवन प्रभावित होते हैं । कच्चे माल को उद्योगों के लिए जमीन से बाहर निकाला जाना अर्थात लक्ष्मी प्राप्त करने के लिए असुरों का विनाश का प्रतीक है। इसे मानव द्वारा निर्मित बर्तन के आविष्कार से समझ सकते हैं ! जैसे पात्र में रखा जल आपके स्वावमित्वु को दर्शाता है जो सांस्कृतिक हस्तक्षेप का प्रतीक है जबकि जंगल का जलस्रोत सभी प्राणियों के लिए उपलब्ध है । देवासुर संग्राम से मृत असुरों को संजीवनीविद्या से शुक्राचार्य पुनर्जीवित करते है, यह पृथ्वी की प्रजनन क्षमता का संकेत है, जो प्रतिवर्ष फसलों को वापस लाता है। फसलों की कटाई का कार्य देवों द्वारा असुरों की हत्या का प्रतीक है। यही कारण है कि देव और असुरों के बीच चक्रीय संघर्ष तब तक कभी खत्म नहीं होगा जब तक मनुष्य प्रकृति के शोषण की तलाश करता रहेगा। इंद्र की पत्नी के रूप में लक्ष्मी को सचि के नाम से जाना जाता है और इंद्र को सचिन के नाम से जाना जाता है। क्योंकि वह कल्पतरू के कामधेनु, कौस्तुभ मणि अक्षय.पात्र जैसे द्रव्यों के साथ आती है जो देवों को विलासितापूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं। उन्हें ,क भी दिन काम नहीं करना पड़ता है। इस मनोवृत्ति का निराकरण के अन्यण तर्कों में जहां इंद्र अपनी ओर से लक्ष्मी से प्रसन्न हो सकते हैं, वहीं लक्ष्मी कभी भी इंद्र के बगल में आकर प्रसन्न नहीं दिखती। लक्ष्मी को कभी.कभी खजाने का जमाखोरी करने वाले यक्षों के धनी राजा कुबेर के बगल में बैठे हुए कल्पना की जाती है ।कुबेर की पहचान कुछ ग्रंथों में इंद्र के कोषाध्यक्ष के रूप में है। चंचला होने के कारण कोई भी आश्वनस्तक नहीं होता कि धन और भाग्य की देवी किसके पक्ष में होगी क्योंकि, वह बिना कारण अचानक दिखाई दे सकती है, और बिना किसी चेतावनी के छोड़ जाती है। रामायण में कुबेर के राज्य और सिंहासन पर उसका भाई रावण आधिपत्यध कर लेता है। साथ ही वह राम की पत्नी सीता का हरण कर लक्ष्मी को लाता है। महाभारत में कौरव अपने प्रतिद्वंद्वी चचेरे भाई पांडवों को लाखा महल में भस्मय करने का असफल प्रयत्नण करते हैं। बाद में वह पांडवों को जुए में हरा देते हैं। अपनी आजादी के बदले पांडवों को 13 साल का वनवास काटना पड़ता हैं। इस प्रकार लक्ष्मी छल करके कौरवों के पास आती हैं लेकिन ताकत या छल के माध्यम से प्राप्त लक्ष्मी कभी स्था यी नहीं रह सकती । अतएव राम रावण का और श्रीकृष्ण दुर्योधन का उद्धार कर कर सुराज की स्थापपना करते हैं। ब्राह्मण ग्रंथों द्वारा दर्शाये गये वेदों के प्रारंभिक भाग में हमें गाय, घोड़े, अनाज, सोना, जैसे धन प्राप्त करने के अनुष्ठान मिलते हैं अर्थात धन को सुख में प्रवेश के रूप में देखा जाता है । अरण्यक और उपनिषद ग्रंथों द्वारा दर्शाए गए वेदों के उत्तरार्द्ध में धन को ईर्ष्या, मित्रों से हानि, परिवारिक कलह जैसे दु:ख के रूप में देखा जाता है । वैदिक काल में धन की प्रकृति पर यह बदलाव इंद्र की स्थिति में परिलक्षित होता है । इंद्र वेदों के महान योद्धा राजा हैं, लेकिन पुराणों में उन्हे ब्रह्मा विष्णु और शिव से मदद मांगते हु, असुरक्षित और असहाय दिखाया गया है। विपुल धन के आगमन से प्राप्त दुख हमें वेदांत की ओर ले जाती है, जहॉ मन और संपत्ति के बीच संबंधों की विवेचना है । जब लक्ष्मी शिव या विष्णु का साथ देती हैं तो अलक्ष्मी ज्येष्ठा लक्ष्मी का साथ नहीं देती तब धन विवाद का कारण नहीं बनती । महर्षि दुर्वासा के श्राप के कारण एक दिन आवेश में लक्ष्मी स्वार्ग को छोड़ देती है । लक्ष्मी के लुप्त होने से इंद्र का स्वर्ग अपनी संपन्नता खो देता है। इच्छा पूरी करने वाली गाय दूध देना बंद कर देती है, मनोकामना पूरी करने वाला कल्प्वृक्ष फल देना बंद कर देता है और कौस्तुलभ मणि अपनी चमक खो देता है, अक्षयपात्र खाली हो जाता है। लक्ष्मी को वापस स्वर्ग लाने का तरीका क्षीरसागर का मंथन करना है । विष्णु की सलाह है कि इंद्र सबसे पहले असुरों से मित्र बनाएं, क्योंकि सागर मंथन के लिए प्रतिबल की आवश्यकता होती है। इसके बाद वह मेरू पर्वत को धुरी और सर्पों के राजा वासुकी को रस्सी के रूप में प्रयुक्त कर समुद्र मंथन करें। कछुओं का राजा अकुपारा स्वयं विष्णु का एक रूप है, जिस पर मंथन की शुरुआत होती है। अंत में कल्पतरू, कामधेनु, कौस्तुभ मणि और अक्षय.पात्र, स्वर्ग के सभी खजाने के साथ जल से अमृतपात्र के साथ लक्ष्मी उत्पन्न होती है । इसके अलावा सफेद दूध के रूप में, शाही शक्ति के प्रतीक हाथी ऐरवत और उड़ने वाला घोड़ा, उच्चैश्रवा उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा रम्भा, सोम, चंद्रमा उत्पन्न होते हैं। विष्णु की युक्ति से लक्ष्मी द्वारा लाये अमृतपान का लाभ पाकर देव अमरत्व को प्राप्त होते हैं और मंथन से प्राप्त रत्नो से स्वर्ग को पुन: समृद्ध बनाने में जुट जाते हैं। यहां लक्ष्मी स्वयं विष्णु उन्मुख होती है, जो विष्णु को इंद्र से श्रेष्ठ स्थापित करता है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

खेती किसानी ही अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

कोरोना महामारी ने दुनिया के देशों को एक सबक दिया है और वह यह कि खेती किसानी ही अर्थव्यवस्था को बचा सकती थी। यह साफ हो जाना चाहिए कि आने वाले समय में भी खेती किसानी ही अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत रहेगी। ऐसे में सरकार को इस और खास ध्यान देना ही होगा। कोरोना में अन्नदाता की बदौलत ही देशवासियों खासतौर से जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री का मुफ्त वितरण किया जा सका। सबसे आश्चर्यजनक व संतोष की बात यह रही कि जहां अकाल व अन्य परिस्थितियों में यदा-कदा भूख से मौत के समाचार सुर्खियों में आते रहे हैं, पर 2019 से अब तक देश में कोरोना काल में भूख से मौत की एक भी सुर्खी नहीं बनी। यह सब संभव हो पाया अन्नदाता और सरकार के कृषि क्षेत्र में सुधारों से ही। पर समस्या अब दूसरी होती जा रही है जो विषयांतर हो सकती है और वह यह कि अन्न की पौष्टिकता को लेकर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। इस पर फिर कभी चर्चा। पर सवाल यह है कि छोटी होती जोत का कोई ना कोई हल सरकार को खोजना ही पड़ेगा। इसके लिए सहकारिता आंदोलन और भूदान आंदोलन के शुरुआती दौर में संयुक्त खेती का जो कंस्पेट आया था उसके गुण-अवगुण पर आज की परिस्थितियों में विचार करना होगा। इसी तरह से परिवार कल्याण कार्यक्रम को गांवों में और अधिक प्रभावी बनाना होगा वहीं कृषि योग्य भूमि पर औद्योगिक विकास या अन्य विकास कार्यों का विकल्प खोजा जाना होगा। हालांकि अब देश में छोटे परिवार के महत्व को क्या गांव और क्या शहर सब समझने लगे हैं पर इस पर ध्यान जारी रखना होगा। क्योंकि छोटी होती जोत निश्चित रूप से कई समस्याएं पैदा करने वाली होगी। इसलिए समय रहते इस और नीति निर्माताओं को ध्यान देना होगा। सरकार के थिंक टैंक को इसका समाधान खोजना होगा। क्योंकि खेती आज भी प्रमुख रोजगार प्रदाता है तो अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार। ऐसे में समय रहते कोई ना कोई समाधान खोजना ही होगा। नई सहकार नीति और देश की कृषि सुधार कार्यक्रमों को इसे ध्यान रखना ही होगा। कृषि प्रधान देश के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अन्नदाता की घटती जोत को लेकर हो गई है। देश में एक और किसानों की जोत कम होती जा रही है वहीं खेती की लागत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की हालिया रिपोर्ट चेताने वाली होने के साथ ही चिंतनीय भी है। देश में बड़े और मंझौले किसान कम होते जा रहे हैं तो लघु और सीमांत किसानों की संख्या बढ़ती जा रही है। बड़ी सीधी सी बात है कि जब जोत ही कम होगी तो किसान की लागत कहां से निकलेगी।

हालांकि घटती जोत के लिए केवल सरकार को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अपितु जोत छोटी होने का बड़ा कारण शहरीकरण और बढ़ता परिवार है। पारिवारिक बंटवारे के चलते दिन प्रतिदिन जोत कम होती जा रही है। यदि बड़े और मंझोले काश्तकारों की संख्या में बढ़ोतरी होती तो निश्चित रूप से सरकार और केवल सरकार को दोषी ठहराया जा सकता था, सरकार की नीतियां दोषी हो सकती थी, पर बड़े और मध्यम श्रेणी के किसान कम होने से साफ होता जा रहा है कि पारिवारिक बंटवारा इसका प्रमुख और मुख्य कारण हो सकता है। मजे की बात यह है कि हालिया रिपोर्ट की मानें तो भूमिहीन किसानों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। यानी खेती पर निर्भरता कम नहीं हुई है अपितु खेत-किसानी की जोत जरूर कम हो रही है। छोटे-बड़े किसानों की गणित को यों समझा जा सकता है कि एक से दो हैक्टेयर भूमि वाले किसान छोटे या सीमांत किसान की श्रेणी में आते हैं तो 0.002 हैक्टेयर से कम भूमि वाले किसानों को भूमिहीन किसानों की श्रेणी में रखा जाता है। इसी तरह से दस हैक्टेयर से अधिक भूमि वाले किसानों को बड़े किसानों की श्रेणी में रखा जाता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण ने अपनी 77 वें दौर की रिपोर्ट में 2019 तक के आंकडों का विश्लेषण किया है। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो 2003 में देश में दस हैक्टेयर या इससे अधिक भूमि वाले बड़े काश्तकार 11.6 प्रतिशत थे जो 2013 में घटकर 5.8 प्रतिशत रह गए और 2019 में और कमी होते हुए बड़े किसान 3.9 फीसदी ही रह गए हैं। इसी तरह से मंझोले किसान भी 2003 की 23.1 प्रतिशत की तुलना में 2013 में 18.8 प्रतिशत और 2019 आते-आते 14.7 फीसदी ही रह गए। यह निश्चित रूप से चिंतनीय हालात है। क्योंकि छोटी जोत में खर्चा निकलना ही मुश्किल हो जाता है। यह सब तो तब है जब देश में कृषि सुधार कार्यक्रम तेजी से चलाए जा रहे हैं। जंगल सीमित होते जा रहे हैं। खेती में नवाचारों के चलते आधुनिक साधनों का उपयोग होने लगा है। खेती कार्य आसान हो जाने से अब पूरे परिवार को खपने की आवश्यकता नहीं होकर कम मानव संसाधन से भी आसानी से खेती की जा सकती है। अतिरिक्त आय के साधन भी विकसित हुए हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नजरिया

भारत और चीन के रिश्तों में तिब्बत का त्रिकोण

निरुपमा राव, पूर्व विदेश सचिव

अपनी नई किताब द फैक्र्ड हिमालय : इंडिया तिब्बत चाइना 1949-62 में मैंने तिब्बत को केंद्र में रखकर भारत और चीन के 1949-1962 के ऐतिहासिक रिश्तों को फिर से देखने का प्रयास किया है। द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से आत्मघाती होने के बावजूद वह रचनात्मक दौर था। इन पर हमें व्यापक निगाह डालनी चाहिए, क्योंकि इन वर्षों में जो कुछ घटित हुआ, वह चीन के साथ हमारे मौजूदा विवादों को प्रभावित करता है। और, इसके लिए किसी एक व्यक्ति, विशेषकर जवाहरलाल नेहरू को दोष देना कतई उचित नहीं है, जैसा कि अक्सर किया जाता है। वास्तव में, इतिहास को जानने के लिए उसके जटिल ताने-बाने को समझना जरूरी है। आजादी के उन शुरुआती वर्षों में भारत को ऐसी विकट चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिनकी आज कल्पना करना भी कठिन है। बेशक, उस दौरान नीति-निर्माण में कुछ कमजोरियां थीं और चूक हुई, पर हमें उन परिस्थितियों को समझना चाहिए, जिनमें ये फैसले लिए गए थे। जहां हम लड़खड़ा गए थे, वह था देश की उत्तरी सीमाओं के सवालों के साथ तिब्बत के गहरे जुड़ाव को कम महत्व देना। तिब्बत के साथ भारत के रिश्ते जटिल हैं। इसको न सिर्फ भौगोलिक कारक, बल्कि धर्म, तीर्थाटन, व्यापार और सांस्कृतिक प्रभाव भी निर्धारित करते हैं। यही भारत-चीन संबंध में तिब्बत के रूप में तीसरा कोण बनाता है। सन् 1949 के बाद का नया चीन (इस वर्ष यहां पीपुल्स रिपब्लिक का एलान हुआ था) राष्ट्रवाद से प्रेरित था और विदेशी अपमानों की बेड़ियों को तोड़ने को लेकर संकल्पित। लिहाजा, वह जल्द ही भारत की सीमा पर आगे बढ़ा। 1950 की शरद ऋतु में तिब्बत पर चीनी सेना की कार्रवाई के लिए नया-नया आजाद भारत तैयार न था। तिब्बत के साथ भारत के संबंध पुराने हैं और बौद्ध धर्म ने इस रिश्ते को मजबूती दी है। अंग्रेजों ने 20वीं सदी की शुरुआत से ल्हासा और दक्षिणी तिब्बत में अपनी उपस्थिति दर्ज की थी व भारत को ये विशेषाधिकार विरासत में मिले थे। इसके साथ-साथ 1914 में पूर्वी हिमालय में ब्रिटिश और तिब्बतियों द्वारा खींची गई मैकमोहन रेखा भी अस्तित्व में थी। मगर चीन ने इसे स्वीकार नहीं किया। उसने अपने सैनिकों को ल्हासा पर कूच करने का आदेश दिया। चीन की इस युद्धोन्माद मानसिकता से अलगाव दिखाने के बावजूद भारत की विदेश नीति के एकमात्र वास्तुकार जवाहरलाल नेहरू आश्वस्त थे कि भारत की सीमाओं पर कोई खतरा नहीं है। इसके पीछे उनकी यह सोच थी कि भारत और चीन के बीच कोई क्षेत्रीय विवाद या तनाव नहीं था और दिल्ली मानती थी कि सीमा संबंधी मसलों पर चीन की चुप्पी का मतलब भारत द्वारा परिभाषित सीमा पर उसकी मौन सहमति है। तिब्बत ने चीन की संप्रभुता चुपचाप स्वीकार कर ली और भारत ने संयुक्त राष्ट्र में तिब्बत के अधिकारों की रक्षा के वास्ते कम झुकाव दिखाया। इसके बाद भारत व चीन की दोस्ती में 'मनुहार' कौ दौर आया। नेहरू और चाऊ एनलाई के मिलन से उनके विरोधाभास जाहिर हुए। नेहरू दूरदर्शी, देशभक्त, बुद्धिजीवी, गांधी के पसंदीदा शिष्य और निस्संदेह भारत के प्रति समर्पित नेता थे, और चाऊ एक हिंसक क्रांति के सैनिक, सयाने व दुराग्रही नेता। चीन की छवि (नेतृत्व करने को प्रतिबद्ध देश) उसके पीपुल्स रिपब्लिक बनने के शुरुआती वर्षों में ही स्पष्ट हो गई थी। 1950 के दशक के उत्तरार्द्ध से भारत और चीन के रिश्तों में गिरावट आनी शुरू हुई। वजहें बनीं, सीमा को लेकर मतभेद और दलाई लामा का भागकर भारत आना। इसने नेहरू को बता दिया कि चीन से उनकी दोस्ती की सच्चाई क्या है? ऐसा नहीं था कि इससे पहले उन्हें चीन के विस्तारवाद पर संदेह नहीं था, पर उन्होंने भारत और चीन के नेतृत्व वाली अखिल एशिया की संकल्पना की थी। हालांकि नेहरू के लिए चीन की सोच क्या थी, यह माओ के शब्दों से पता चलता है, जब उन्होंने कहा, 'नेहरू कौन हैं? वह हिन्दुस्तानी बुर्जुआ वर्ग को पोषित करने वाले मध्यमार्गी हैं।' यह बताता है कि भारत और चीन के संबंध आज इतने जटिल क्यों हैं? जैसे-जैसे समय बीतता गया, रुख सख्त होते गए और दोनों देशों के बीच एक-दूसरे को समझने की मानसिकता कम होती गई। ऐसे में, ताकतवर चीन और उभरते भारत के बीच ताकत की असमानता ने स्थिति को और उलझा दिया है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

COP26: इंडिया ग्रीन गारंटी की शुरुआत, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नए कोष का वादा

ग्लासगो:
भारत में हरित परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ पाउंड की अतिरिक्त राशि के वास्ते ब्रिटेन विश्व बैंक को 'इंडिया ग्रीन गारंटी' प्रदान करेगा। यह घोषणा सोमवार को ग्लासगो में आयोजित हो रहे सीओपी26 शिखर सम्मेलन में की गई। हरित गारंटी वित्तपोषण स्वच्छ ऊर्जा, परिवहन और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में स्वच्छ और लचीले बुनियादी ढांचे का समर्थन करेगा। इसके अलावा, ब्रिटेन ने सहायता-समर्थित निजी अवसंरचना विकास समूह (पीआईडीजी) के तहत भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों सहित विकासशील देशों में परिवर्तनकारी हरित परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में 21 करोड़ पाउंड से अधिक के नए निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटेन का पीआईडीजी वित्तपोषण भारत में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण, वियतनाम में ग्रीन बॉण्ड और बुर्किना फासो, पाकिस्तान, नेपाल और चाड में सौर ऊर्जा सहित विभिन्न योजनाओं में किया जाएगा, जिनके अतिरिक्त निजी क्षेत्र के वित्त में 47 करोड़ पाउंड से अधिक जुटाने की उम्मीद है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, ''मैं ब्रिटेन की हरित औद्योगिक क्रांति को वैश्विक स्तर पर देखना चाहता हूं। स्वच्छ प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे पर परिवर्तन की गति अविश्वसनीय है, लेकिन धरती को बचाने की दौड़ में किसी भी देश को पीछे नहीं रहना चाहिए।' विकासशील देशों को हरित प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और उनकी अर्थव्यवस्थाओं को स्थायी रूप से विकसित करने में मदद करने के लिए सीओपी26 में 'स्वच्छ हरित पहल' की शुरुआत हुई। वित्त पोषण से ब्रिटेन की नई स्वच्छ हरित पहल (सीजीआई) शुरू होगी, जो विश्व स्तर पर गुणवत्ता, टिकाऊ बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ाने में मदद करेगी। इसके अलावा, ब्रिटेन ने बहुपक्षीय विकास बैंकों को गारंटी पैकेज की भी घोषणा की, जो भारत और पूरे अफ्रीका में जलवायु संबंधी परियोजनाओं में निवेश को एक बड़ा बढ़ावा देगा।

एएनसी के साथ एप्पल बीट्स फिट प्रो ईयरबड्स की घोषणा

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल के स्वामित्व वाली ऑडियो एक्सेसरीज निर्माता बीट्स ने विंगटिप डिजाइन के साथ अपने नवीनतम ईयरबड्स बीट्स फिट प्रो की घोषणा की है।बीट्स फिट प्रो एप्पल की वेबसाइट और अमेरिका में अन्य खुदरा विक्रेताओं से ब्लैक, व्हाइट, ग्रे और पर्पल रंग में 200 डॉलर में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हैं। बीट्स और एप्पल म्यूजिक के उपाध्यक्ष ओलिवर शूसर ने एक बयान में कहा, बीट्स फिट प्रो फिट और विशेषताओं में उल्लेखनीय नवाचार प्रदान करता है, जिससे यह बीट्स का अब तक का सबसे अच्छा लगने वाला और सबसे उन्नत उत्पाद बन गया है। स्थानिक ऑडियो और गतिशील हेड ट्रैकिंग के साथ, बीट्स फिट प्रो वास्तव में इमर्सिव सुनने का अनुभव प्रदान करता है। ईयरबड्स तीन आकारों में सिलिकॉन युक्तियों के साथ आते हैं, एक्टिव नॉयस कैंसिलेशन (एएनसी) और ट्रांसपेरेंसी ऑडियो मोड, एडेप्टिव ईक्यू, गतिशील हेड ट्रैकिंग के साथ स्थानिक ऑडियो। इसमें हे सिरी के लिए एच1 चिप और आईओएस पर फाइंड माई सपोर्ट के साथ-साथ वन-टच पेयरिंग की सुविधा है। बीट्स फिट प्रो में एडेप्टिव ईक्यूए फीचर भी है जो कम्प्यूटेशनल ऑडियो और इन-वार्ड फेसिंग माइक का उपयोग करके कम और मध्य-श्रेणी की आवृत्तियों को लगातार स्कैन और समायोजित करता है। एक पूर्ण चार्ज पर, बीट्स फिट प्रो एएनसी या पारदर्शिता चालू होने के साथ छह घंटे तक की पेशकश करता है और उन कार्यों को बंद करने के साथ इसे सात घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। यूएसबी-सी पर कैरिंग केस चार्ज एएनसी/पारदर्शिता के साथ 21 घंटे तक का अतिरिक्त बैटरी लाइफ प्रदान करता है। बीट्स फिट प्रो की आईपीएक्स4 रेटिंग भी है, जिसका अर्थ है कि वे स्वेट और वाटर-रेसिस्टेंट हैं।

लेनोवो ने अपना पहला शिक्षा-केंद्रित टैबलेट किया लॉन्च

बीजिंग। लेनोवो ने चीन में अपना पहला शिक्षा-केंद्रित टैबलेट लेनोवो तिआनजिया पैड हेलियो जी90टी एसओसी के साथ लॉन्च किया है। लेनोवो तिआनजिया पैड की कीमत 1,299 येन (लगभग 15,100 रुपये) है और यह 10 नवंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। टैबलेट में आईपी52 रेटिंग के साथ मेटल-प्लास्टिक बिल्ड से युक्त डुअल-टोन रियर फिनिश है और यह सिंगल सिल्वर व्हाइट कलर ऑप्शन में आता है। इसका डाइमेंशन 258.4 एक्स 163 एक्स 7.5 मिमी, वजन 490 ग्राम है। डिवाइस में 11 इंच का टीडीडीआई एलसीडी पैनल है जिसका रिजॉल्यूशन 2000 एक्स 1200 पिक्सल और 400 निट्स ब्राइटनेस है। कम नीली रोशनी उत्सर्जन के लिए स्क्रीन टीएसीईवी रीनलैंड-प्रमाणित है। टैबलेट में ऑटो-फोकस के साथ 13एमपी का प्राइमरी कैमरा और फेशियल रिकग्निशन के लिए टीओफी कैमरा के साथ 8एमपी का फ्रंट-फेसिंग कैमरा है। कनेक्टिविटी विकल्पों में डुअल-बैंड वाईफाई, ब्लूटूथ 5.1, जीपीएस, यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और आधिकारिक कीबोर्ड एक्सेसरी के लिए 4 एक्स पोगो पिन शामिल हैं। डिवाइस एंड्रॉइड 11 पर आधारित जेडयूआई 13 पर चलता है। टैबलेट 4वॉट क्वाड स्पीकर के साथ आता है जो डॉल्बी एटमॉस और डुअल माइक्रोफोन के लिए सपोर्ट करता है। इसमें 7,7000 एमएएच की बैटरी है जो 20वॉट फास्ट चाजिंर्ग को सपोर्ट करती है।

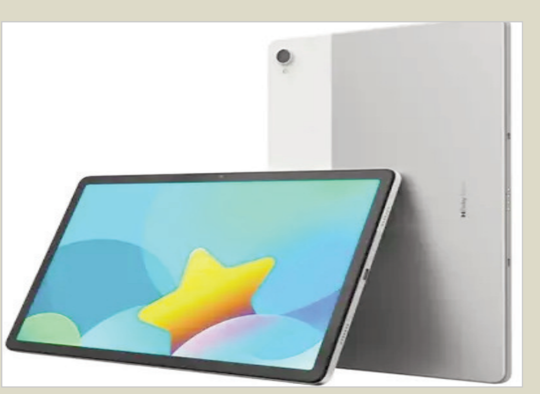

एनटीपीसी की जेटसर स्थित 80 मेगावाट की सौर क्षमता का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने मंगलवार को कहा कि राजस्थान के जेटसर में स्थित उसकी 80 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता का 22 अक्टूबर 2021 से वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो गया। इसके साथ ही 160 मेगावाट की जेटसर परियोजना के पहले हिस्से को व्यावसायिक रूप से चालू कर दिया गया है। इसके साथ ही एनटीपीसी और एनटीपीसी समूह की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता बढ़कर क्रमशः 53572.5 मेगावाट और 66997.5 मेगावाट हो गई है।

इंस्टाग्राम स्टोरीज में सार्वजनिक रूप से भाग ले सकेंगे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लिंक स्टिकर के रोलआउट के बाद, फेसबुक के स्वामित्व वाली इंस्टाग्राम एक नया स्टिकर पेश कर रहा है, जिसका नाम एड योर्स दिया गया है। एनगैजेट के मुताबिक, कंपनी इसे स्टोरीज में पब्लिक थ्रेड बनाने का तरीका बताती है। यह भी नोट करता है कि यह पहली बार है जब इंस्टाग्राम ने लोगों के लिए प्रारूप में सार्वजनिक रूप से भाग लेने का एक तरीका जोड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रभावी रूप से, स्टिकर अन्य लोगों के लिए अपनी स्वयं की कहानियां अपलोड करने के लिए एक संकेत के रूप में कार्य करता है और उनके लिए अनुसरण करने के लिए नए लोगों को खोजने का एक तरीका है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप स्टिकर पर टैप करते हैं तो इंटरफेस उन सभी को प्रदर्शित करेगा जिन्होंने थ्रेड में योगदान दिया है और आप वहां से उनकी कहानियां देख सकते हैं। टूल इंस्टाग्राम को ऐसे समय में जुड़ाव बढ़ाने में मदद कर सकता है विशेष रूप से युवा लोगों को टिकटोक जैसे प्रतिस्पर्धी प्लेटफार्मों के लिए जब यह कथित तौर पर उपयोगकर्ताओं को खो रहा है। 2018 से, इंस्टाग्राम ने किशोरों को मंच पर आकर्षित करने के प्रयास में लाखों विज्ञापन खर्च किए हैं। इस हफ्ते, इसने अपने उपयोगकर्ताओं को दिवाली के लिए अपने दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए तीन नए स्टिकर भी लॉन्च किए। जब भी लोग स्टिकर का उपयोग करके कहानियां पोस्ट करेंगे, ये उनके अनुयायियों को दिवाली विशेष बहु-लेखक कहानी में भी दिखाई देंगे। ये स्टिकर्स हैशटैग शेयरयॉरलाईट नाम से इंस्टाग्राम के दिवाली के वैश्विक अभियान का हिस्सा हैं। इन्हें बेंगलुरु के एक इलस्ट्रेटर, म्यूरलिस्ट और पैटर्न डिजाइनर, नीथि के सहयोग से बनाया गया है।

दो वर्षों बाद सर्राफा बाजार में लौटी रौनक, धनतेरस के दिन दिल्ली समेत देश में 7500 करोड़ रुपये का सोने-चांदी का हुआ व्यापार : कैट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पिछले दो सालों में बेहद मंदी की मार झेल रहे सर्राफा व्यापारियों के चेहरे पर दिवाली त्यौहार रौनक लेकर लौटा है। धनतेरस के दिन राजधानी दिल्ली सहित देश भर के सरार्फा व्यापारियो ने सोने चांदी के गहनों एवं अन्य सामान का बेहद अच्छा व्यापार किया है।कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और कैट के ज्वेलरी विंग ऑल इंडिया ज्वेलर्स एवं गोल्ड स्मिथ फेडरेशन (एआईजीफ) ने एक संयुक्त वक्तव्य में बताया कि, धनतेरस पर देश भर में लगभग 15 टन सोने के आभूषणों की बिक्री हुई जो लगभग 7.5 हजार करोड़ रुपये है। देश के अन्य राज्यों के अलावा दिल्ली में जहाँ लगभग 1000 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ। महाराष्ट्र में लगभग 1500 करोड़, उत्तर प्रदेश में लगभग 600 करोड़, दक्षिण भारत में लगभग 2000 करोड़ का स्वर्ण आभूषणों का व्यापार हुआ। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, देश में पुरातन काल से सभी त्यौहारों में धनतेरस का अपना विशेष महत्व है। इस दिन देश भर में लोग सोने चांदी के बर्तन सिक्के या आभूषण खरीदते है। एआइजेजीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोरा ने कहा, इस वर्ष आर्थिक गतिविधियों में जोरदार उछाल और उपभोक्ता मांग में सुधार के बाद जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की सोने की मांग में सालाना आधार पर 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 2021 की पहली छमाही में 700 टन सोना इम्पोर्ट हुआ है जो कि पिछले वर्ष की तुलना में अत्याधिक है। वहीं वर्तमान में दिवाली के त्यौहार तथा उसके बाद शुरू होने वाले शादियों के सीजन में ग्राहकों की मांग को देखते हुए देश भर में सरार्फा व्यापारियों ने सोने के आभूषणों एवं अन्य सामान की उपलब्धता की व्यापक तैयारी कर रखी है। कैट के अनुसार, वर्ष

2019 में सोने का भाव रुपए 38923 प्रति 10 ग्राम और चाँदी का भाव रुपए 46491 प्रति किलो था जबकि वर्ष 2020 में नवंबर महीने में को सोने का भाव बढ़ कर रुपये 50520 प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी का भाव बढ़ कर रुपये 63044 प्रति किलो था जबकि आज धनतेरस के दिन सोने का भाव 49300 प्रति 10 ग्राम रहा जबकि चांदी का भाव 66300 प्रति किलोग्राम रहा।

2022 में भारत को प्रमुख विकास बाजार के रूप में दोगुना करेगा ओरेकल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्लाउड प्रमुख ओरेकल, जिसने पिछले 4-5 वर्षों में भारत में लगातार उच्च दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है, अब 2022 में एक प्रमुख विकास बाजार के रूप में देश में और अधिक दोगुना होने के लिए तैयार है। इसके शीर्ष भारत के कार्यकारी ने मंगलवार को इस बारे में संभावना व्यक्त की। भारत उन पहले कुछ देशों में से एक था जहां ओरेकल ने दो स्थानीय, अगली पीढ़ी के क्लाउड क्षेत्र (मुंबई और हैदराबाद) को त्वरित उत्तराधिकार में खोला। ओरेकल इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंध निदेशक शैलेंद्र कुमार ने आईएएनएस से कहा, इन दोनों क्लाउड क्षेत्रों में स्वस्थ क्लाउड खपत और निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। ओरेकल क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर (ओसीआई) का उपयोग करने वाले भारतीय संगठन औसतन 30-40 प्रतिशत सुधार की रिपोर्ट कर रहे हैं। ओसीआई के साथ, भारतीय कंपनियां तेजी से प्रवासन और बेहतर डेटा प्रबंधन के साथ 30 प्रतिशत की समय बचत की रिपोर्ट कर रही हैं, विशेष रूप से कुछ लंबे समय तक चलने वाली और समय लेने वाली रिपोर्ट/प्रक्रियाओं के लिए जिसके परिणामस्वरूप तेजी से रिपोर्टिंग और विश्लेषण हो रहा है। कुमार ने कहा, उनमें से ज्यादातर 30-40 प्रतिशत अग्रिम लागत बचत की रिपोर्ट कर रहे हैं। भारत विश्व स्तर पर हमारे प्रमुख और सबसे तेज विकास क्षेत्रों में से एक है। उनके अनुसार, देश में एक अच्छी तरह से एकीकृत और संतुलित हाइब्रिड क्लाउड रणनीति अपनाने की भूख निश्चित रूप से बढ़ रही है। जहां उद्यम अपने प्रौद्योगिकी प्रदाताओं पर यह पता लगाने के लिए झुक रहे हैं कि उनके पहले से मौजूद प्रौद्योगिकी निवेश से अधिकतम मूल्य और जीवन कैसे निकाला जाए। छोटे और मध्यम व्यवसाय (एसएमबी) विकास में तेजी लाने और अपनी व्यापार विस्तार योजनाओं को पटरी पर लाने के इच्छुक हैं। स्टार्टअप भी नवाचार और पैमाने के लिए एक तेज, छोटा रनवे बनाना चाहते हैं। कुमार ने आईएएनएस को बताया, 2022 में, आर्थिक सुधार की गति तेज होने के साथ, हाइब्रिड क्लाउड अपनाने में और तेजी आएगी। ओरेकल हमेशा से भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर तेज रहा है। ओरेकल फॉर स्टार्टअप्स कार्यक्रम को वैश्विक स्तर पर स्केल किए जाने से पहले पहली बार बेंगलुरु में संचालित किया गया था। कंपनी के कार्यकारी ने सूचित किया, कई स्टार्टअप अपने क्लाउड प्रदाताओं के साथ अलग हो रहे हैं और हमारे सुरक्षित, अगली पीढ़ी के ओरेकल क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर (ओसीआई) की ओर रुख कर रहे हैं। ओसीआई में जाने के प्रमुख कारणों के रूप में उद्धृत किया गया, जिसमें तेज नवाचार चक्र, विश्वसनीयता, सुरक्षा, उपयोग में आसानी, महत्वपूर्ण लागत बचत और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताएं हैं।ओरेकल ने हाल ही में अपने वैश्विक क्लाउड फुटप्रिंट के विस्तार की घोषणा की, ताकि निरंतर ट्रिपल-डिजिट विकास को पूरा किया जा सके। ओसीआई के अब दुनियाभर में 30 क्लाउड क्षेत्र हैं जो किसी भी प्रमुख क्लाउड प्रदाता द्वारा अब तक के सबसे तेज विस्तार में से एक हैं। कुमार ने कहा, हम आधुनिक क्लाउड अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का भी उपयोग कर रहे हैं, ताकि उद्यमों को हमारी अगली पीढ़ी की क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं का उपयोग करने के लाभों को समझने में मदद मिल सके, ताकि वे अपने क्लाउड उपयोग से अधिक मूल्य प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा, आगे होने वाली घटनाओं के बारे में मैं और अधिक उत्साहित हूं। हम भारत को एक प्रमुख विकास बाजार के रूप में और दोगुना कर देंगे। बढ़ती मांग के आधार पर, हम सक्रिय रूप से इस क्षेत्र में अपनी क्लाउड उपस्थिति का विस्तार करने पर ध्यान देंगे।

एप्पल का 2022 का मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट वाई-फाई 6ई को करेगा सपोर्ट : रिपोर्ट

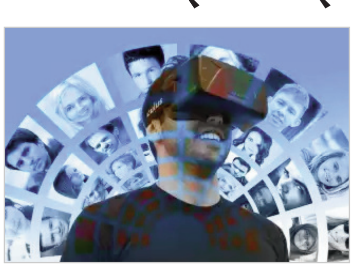

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल अपने अघोषित मिश्रित रियलिटी हेडसेट के लिए सबसे उन्नत चिप्स पर काम कर रहा है। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डिवाइस उच्च बैंडविड्थ, कम विलंबता कनेक्टिविटी की पेशकश करने के लिए वाई-फाई 6ई को शामिल करेगा एप्पल विश्लेषक मिंग-ची कू के अनुसार, वायरलेस अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लेटेस्ट वाई-फाई विनिर्देश को अपनाना हेड-माउंटेड डिस्प्ले (एचएमडी) के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेटा, एप्पल और सोनी के नए एचएमडी 2022 में वाई-फाई 6/6ई को अपनाएंगे। कुओ बताते हैं, वाई-फाई 6 ट्रांसमिशन गति और बिजली की खपत में वाई-फाई 5 की तुलना में काफी बेहतर है, इसलिए मेटा का नवीनतम ओकुलस क्वेस्ट 2 वाई-फाई 6 का समर्थन करता है। वाई-फाई 6 ओकुलस एयर लिंक को अधिक मजबूती से संचालित करने में मदद करता है और 120 हट्र्ज तक की डिस्प्ले रिफ्रेश दर (वाई-फाई 5 के लिए 72 हट्र्ज या 90 हट्र्ज की तुलना में) की अनुमति देता है। आगामी हेडसेट संभवतः उपभोक्ताओं के लिए लक्षित नहीं होगा, बल्कि इसके बजाय डेवलपर्स और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए तैयार किया जाएगा। इसमें कम से कम 15 कैमरा मॉड्यूल, फीचर आई-ट्रैकिंग, संभवतः आईरिस रिकग्निशन की सुविधा हो सकती है और इसकी कीमत 2,000 डॉलर से 3,000 डॉलर के बीच हो सकती है। आगामी एप्पल हेडसेट ओकुलस क्वेस्ट के समान होगा और कुछ प्रोटोटाइप का परीक्षण किया जा रहा है जिसमें कुछ एआर सुविधाओं को सक्षम करने के लिए बाहरी कैमरे शामिल हैं। एप्पल कथित तौर पर हाथ की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए इन कैमरों का उपयोग करने की क्षमता का परीक्षण कर रहा है और इसमें वर्चुअल कीबोर्ड जैसी सॉफ़्टवेयर सुविधाएँ शामिल हैं।

कजाकिस्तान को अपने कंटेंट रिपोर्टिंग प्रणाली तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा फेसबुक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने कजाकिस्तान सरकार को अपनी कंटेंट रिपोर्टिंग प्रणाली तक सीधी पहुंच की अनुमति दी है, क्योंकि व्हिसलब्लोअर फ्रांसेस हौगेन के खुलासे के बाद इस सोशल नेटवर्क को बड़ी जांच का सामना करना पड़ा है कजाकिस्तान मध्य एशिया का पहला देश है जिसके पास सिस्टम तक पहुंच है। फेसबुक की वैश्विक संचालन टीमों से संपर्क करने के लिए सीधे चैनल के लिए पहले से ही ऑनबोर्ड है। फेसबुक के क्षेत्रीय सार्वजनिक नीति निदेशक जॉर्ज चेन ने कहा, हम कजाकिस्तान सरकार को कंटेंट रिपोर्टिंग सिस्टम प्रदान करते हुए खुश हैं। हमें उम्मीद है कि हानिकारक सामग्री से अधिक कुशल और प्रभावी तरीके से निपटने में सरकार की मदद कर सकती है। एक बयान में, सरकार ने विश्वास व्यक्त किया कि कंटेंट रिपोर्टिंग सिस्टम के उपयोग से फेसबुक और इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर अवैध सामग्री के प्रसार का मुकाबला करने के लिए किए गए कार्य की दक्षता और समग्र प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। फेसबुक उपयोगकर्ताओं की डेटा गोपनीयता और अपने प्लेटफॉर्म पर गलत सूचना की उपस्थिति को लेकर व्हिसलब्लोअर हॉगेन और अन्य के नेतृत्व में गंभीर आरोपों से जूझ रहा है। फेसबुक के नागरिक अखंडता समूह में एक पूर्व उत्पाद प्रबंधक हौगेन ने अमेरिकी कांग्रेस के सामने द वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए गए आंतरिक दस्तावेजों के एक समूह के बारे में गवाही दी है। उसका एक मुख्य तर्क यह था कि जुड़ाव के आधार पर विज्ञापन बेचने का फेसबुक का व्यवसाय उपयोगकर्ताओं को हर कीमत पर सेवा पर रखने के लिए प्रेरित करता है, तब भी जब उसे पता होता है कि जिस सामग्री से वे जुड़ रहे हैं वह हानिकारक है। द वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि फेसबुक की इंटीग्रिटी टीम के एक पूर्व सदस्य ने यह भी आरोप लगाया है कि कंपनी अभद्र भाषा, गलत सूचना और जनता के लिए अन्य खतरों का मुकाबला करने पर विकास और मुनाफे को पुरस्कृत करती है। द पोस्ट द्वारा प्राप्त हलफनामे की एक प्रति के अनुसार, पहले व्हिसलब्लोअर होगन द्वारा लगाए गए आरोपों में से कई आरोप प्रतिध्वनित हुए।

आईओएस के लिए इंस्टाग्राम, यूट्यूब वीडियो के पीआईपी प्रजनन में सुधार कर रहा व्हाट्सएप

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

आईओएस के लिए फेसबुक के स्वामित्व वाला व्हाट्सएप अपने ऐप का एक नया बीटा संस्करण पेश कर रहा है। इस अपडेट के साथ, उपयोगकर्ता ऐप के भीतर इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य साइटों से वीडियो देखने के लिए एक नया इंटरफेस प्राप्त कर सकते हैं। जैसा कि वैबेटाइंफो द्वारा रिपोर्ट किया गया है, ऐप का संस्करण 2.12.220.15 पिक्चर-इन-पिक्चर (पीआईपी) वीडियो प्रजनन के लिए एक नया इंटरफेस लाता है और एक नया नियंत्रण बार लागू करता है। प्रकाशन के अनुसार, यह पिक्चर-इन-पिक्चर दृश्य को आसानी से स्थानांतरित करने की अनुमति देता है और यह कुछ शॉर्टकट भी लागू करता है, जैसे वीडियो को समाप्त करने और इसे पूर्ण-स्क्रीन मोड में दिखाने की संभावना शामिल है। वैबेटाइंफो का हवाला देते हुए, 9टु5मैक नोट करता है कि केवल कुछ आईओएस बीटा टेस्टर ही इस नए कंट्रोल बार का लाभ उठा पाएंगे, क्योंकि व्हाट्सएप इस फीचर को ऐप के नए वर्जन पर धीरे-धीरे रोल आउट कर रहा है। ब्लॉग यह भी बताता है कि कुछ आईओएस बीटा टेस्टर व्हाट्सएप के भीतर यूट्यूब वीडियो चलाने के बाद एक छोटा सा बदलाव देख सकते हैं क्योंकि ऐप तुरंत इसे पूर्ण-स्क्रीन मोड में दिखाता है। वैबेटाइंफो ने कहा कि यह फीचर विशिष्ट बीटा टेस्टर्स के लिए भी शुरू किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाट्सएप के एक अन्य बीटा वर्जन में कंपनी ने व्हाट्सएप फ्रॉम मेटा के लिए अपनी ब्रांडिंग को रिफ्रेश किया है। मेटा उस कंपनी का नाम है जो फेसबुक, इंस्टाग्राम, मैसेंजर सहित अन्य ऐप्स का मालिक है।

न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में दिवाली मनाएगी क्रिप्टो फर्म क्रॉसटॉवर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ग्लोबल क्रिप्टो एक्सचेंज कंपनी क्रॉसटॉवर ने मंगलवार को न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में दिवाली मनाने के लिए साउथ एशियन एंगेजमेंट फोरम के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। इतिहास में पहली बार, तीन दिवसीय दिवाली समारोह 2-4 नवंबर से आयोजित किया जाएगा, जिसमें डब्ल्यूटीसी मंच पर एक शानदार डिजिटल भित्ति चित्र और हडसन नदी पर आतिशबाजी का प्रदर्शन किया जाएगा। क्रॉसटावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह-संस्थापक कपिल राठी ने एक बयान में कहा, विशेष रूप से भारत में हमारे विस्तार के तुरंत बाद क्रॉसटॉवर को पहली बार अखिल अमेरिकी दिवाली उत्सव का भागीदार बनने का सौभाग्य मिला है। यह देखते हुए कि अमेरिका में 2.7 मिलियन भारतीय हैं, यह आयोजन अमेरिकी परंपरा को त्योहार के साथ जोड़ता है और दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों, अमेरिका और भारत को एक साथ मिलकर सबसे बड़े त्योहारों में से एक दिवाली का जश्न मनाने के लिए एक साथ लाता है। यह इवेंट रोशनी के त्योहार के साथ हडसन नदी पर आतिशबाजी देखने की अमेरिकी परंपरा को जोड़ती है। हडसन पर जमकर आतिशबाजी का मुजाहिरा होगा और दिवाली की पूर्व संध्या पर 3 नवंबर को शाम 7.30 बजे ई.टी. लाइवस्ट्रीम के माध्यम से उपलब्ध होगा। यह त्योहार भारतीय अमेरिकियों को दिवाली के बारे में बातचीत में शामिल करने के लिए विभिन्न पृष्ठभूमि से अपने पड़ोसियों, सहकर्मियों और दोस्तों के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

टीम पर दबाव कम नहीं कर पाये धोनी, शास्त्री की रणनीति भी रही नाकाम

दुबई । टी-20 विश्व कप क्रिकेट में पहले दो मैचों में मिली हार के बाद भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाएं अब तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मैंटोर पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को बनाया गया था ताकि उनके अनुभवों का लाभ टीम को मिल पाये पर ऐसा हुआ नहीं। वह पहली हार के बाद खिलाड़ियों पर आया दबाव कम नहीं कर पाये। वहीं कोच रवि शास्त्री की रणनीति भी इस टूर्नामेंट में किसी काम नहीं आयी। पूर्व दिग्गजों का मानना है कि भारतीय टीम पहले दोनो ही मैच में लय में नहीं दिखी। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच शुरु होने के बाद से ही टीम को हार का डर सताने लगा था। इसी लिए बल्लेबाजी क्रम में भी बदलाव किया गया पर कोई बात नहीं बनी। माना जा रहा है कि इस टूर्नामेंट में धोनी ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अंतिम ग्यारह में रखने की जो सिफारिश की भी वह भी नुकसानदेह ही रही। हार्दिक की जगह अगर चयनकर्ता किसी दूसरे विशेषज्ञ बल्लेबाज को रखते तो जरुर लाभ होता। पंड्या भले ही मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं पर इस टूर्नामेंट में आते समय वह फिट नहीं थे। अब तक इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों पर हार का दबाव दिखा और यही वजह थी कि पाकिस्तान के खिलाफ हार के बाद युवा ईशान किशन को भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर आजमाया गया लेकिन बात नहीं बनी।

टी20 वर्ल्ड कप : बुधवार को भारत और अफगानिस्तान के बीच होगा मुकाबला, विराट की सेना करेगी वापसी

अबु धाबी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार के बाद भारत को अभी भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। अबु धाबी में होने वाले अफगानिस्तान के साथ मैच में भारतीय टीम अपनी पहली जीत दर्ज कर सकती है। टूर्नामेंट में जहां भारत ने अपने शुरू के दो मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से हारे है वहीं, अफगानिस्तान की टीम नामीबिया और स्टॉकलैंड को हराने में सफल रही है। हालांकि, उसे पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने रोहित को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजने पर टीम प्रबंधन की आलोचना की है और कहा कि यह देखना जरूरी होगा कि स्टार ओपनर आगामी मैच में अपने नियमित स्थान पर बल्लेबाजी करेगा या नहीं। इस बीच, हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी उतना अच्छा नहीं रहा है। अगर सूर्यकुमार यादव फिट होते है तो वह अफगानिस्तान के साथ होने वाले मैच में खेल सकेंगे। टीम के खिलाड़ी दबाव में प्रदर्शन करने में नाकाम रहे वरुण चक्रवर्ती की जगह रविचंद्रन अश्विन को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है। दूसरी ओर, टूर्नामेंट में अफगानिस्तान ने अब तक प्रभावशाली क्रिकेट खेली है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ है। मोहम्मद नबी और राशिद खान जैसे खिलाड़ी अपने अनुभव का इस्तेमाल करके भारतीय टीम को चुनौती देने का काम करेंगे। युवा स्पिनर मुजीब उर रहमान अपनी चोट के कारण नामीबिया के खिलाफ पिछले मुकाबले में नहीं खेले थे और उनकी जगह हामिद हसन को मौका दिया गया था जिन्होंने चार ओवर में सिर्फ नौ रन देकर तीन विकेट लिए। हालांकि, पिछले दो मैचों में स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए मुजीब को अफगानिस्तान की प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है। क्योंकि वह चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं–

भारतः विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, राहुल चाहर, वरुण चक्रवर्ती और रविचंद्रन अश्विन।

अफगानिस्तानः मोहम्मद नबी (कप्तान), हजरतुल्लाह जजई, अहमद शहजाद, गुलबदीन नायब, नवीन उल हक, राशिद खाम, हामिद हसन, रहमनाउल्लाह गुरबाज, नजीबुल्लाह जादरान, करीम जनत, मुजीब उर रहमान, हशमतुल्ला शाहिदी, फरीद अहमद और उस्मान गनी।

पुरुष मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे शिव थापा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एआईबीए पुरुष मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप 2021 में सर्बिया के बेलग्रेड में खेले गए मैच में शिव थापा (63.5 किग्रा) ने अपने अनुभव के कारण क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली हैं। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पांच बार के मेडलिस्ट और 2015 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट थापा ने सोमवार की रात बेहद रोमाचक मुकाबले में फ्रांस के लाउनेस हमराउई को 4-1 से हराया। भारतीय इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। थापा ने अपने भारी मुक्कों से विरोधी खिलाड़ी को उठने का मौका नहीं दिया। जहां हमराउई अगले दो राउंड में अधिक आक्रामक था, वहीं थापा ने बढ़त बनाते हुए बराबर कर लिया।

उन्होंने अपने तकनीक से खेलते हुए जीत दर्ज की। अब थापा मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में तुर्की के केरेम ओजमेन से भिड़ेंगे। वह, दो विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्के बाज बनने से एक कदम दूर है।

दो बार के ओलंपिक चैम्पियन एंडी मर्रे पेरिस मास्टर्स के पहले दौर में हारे

पेरिस (एजेंसी)।

दो बार के ओलंपिक चैम्पियन एंडी मर्रे ने 7 मैच प्वाइंट गंवा दिए और पेरिस मास्टर्स टेनिस के पहले ही दौर में जर्मनी के 'लकी लूजर% डोमिनिक कोफर से हार गए। खराब सर्विस का खामियाजा मर्रे को भुगतना पड़ा और कोफर ने उन्हें 6.4, 5.7, 7.6 से हराया। विश्व रैंकिंग में 144वें स्थान पर काबिज मर्रे को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला था। इस साल वह 26 मैचों में से 13 हारे और 13 जीते हैं। उन्हें पहले अमेरिकी क्वालीफायर जेंसन ब्रूक्सबी से खेलना था जो पेट में दर्द के कारण नहीं खेल पाए और उनकी जगह कोफर ने ली। ब्रिटेन के ही कैमरन नॉरी ने अर्जेंटीना के फेडरिको डेलबोनिस को 6.2, 6.1 से हराया। अमरीका के सेबेस्टियन कोरडा, हंगरी के मार्टन फुक्सोविक्स, बेलारूस के इलया इवाश्का और कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक भी अगले दौर में पहुंच गए।

टी20 ही नहीं वनडे की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं विराट कोहली

(एजेंसी)।

भारतीय टीम का प्रदर्शन टी- 20 वर्ल्ड कप में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है. शुरुआती दोनों मैचों में भारतीय टीम को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. ऐसे में भारतीय टीम के खिलाड़ियों की चारों तरफ आलोचना हो रही है. टीम इंडिया सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने की कगार पर है. अब टीम को दूसरी टीमों के नतीजे पर निर्भर रहना होगा. हालांकि इसी बीच ऐसी खबर मिल रही है कि बीसीसीआई भारतीय टीम के प्रदर्शन से दुखी है और अब वह नई टीम को बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और इस विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ को भारतीय टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया जा सकता है. साथ ही इस विश्व कप के बाद कोहली टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ देंगे. लेकिन अब बीसीसीआई वनडे से भी उन्हें कप्तानी से हटा सकती है, क्योंकि उसका मानना है कि टीम के दो कप्तान होने चाहिए. एक सफेद गेंद का कप्तान और एक लाल गेंद का कप्तान. सूत्र ने कहा विराट की कप्तानी में भारत 2017 चैंपियंस ट्रॉफी, 2019 वनडे विश्व कप और 2021 चैंपियंस ट्रॉफी हारा. भारतीय टीम मौजूदा विश्व कप में पहले दौर से बाहर होने की कगार पर है. 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी-2020 विश्व कप और 2023 में भारत में वनडे विश्व कप का आयोजन होना है. ऐसा तो किया नहीं जा सकता कि टी-20 में एक कप्तान रहे और वनडे में दूसरा कप्तान रहे. ऐसे में हमें ऐसा कप्तान चुनना होगा कि 2022 और 2023 में भारत को आईसीसी ट्रॉफी दिलाए, क्योंकि हमने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद आईसीसी का कोई भी खिताब नहीं जीता है.

संक्षिप्त समाचार

22 गज की पिच पर युवराज सिह फिर से करेंगे वापसी, इंस्टाग्राम पर किया खुलासा

नई दिल्ली। भारत के महान क्रिकेटर युवराज सिंह नेअगले साल फरवरी में पिच पर वापसी की घोषणा की हैं। उन्होंने यह घोषणा करके पूरा क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि वह लोगों की मांग पर फिर से वापसी कर रहे हैं, जिससे फैंस ने अनुमान लगाया है कि क्या दो बार के विश्व कप विजेता संन्यास की घोषणा के बाद अपने करियर को फिर से शुरू करने वाले हैं। 39 साल के खिलाड़ी ने कटक में इंग्लैंड के खिलाफ 150 रनों की खेली गई पारी का वीडियो शेयर कर लिखा, भगवान आपका भाग्य तय करता है! लोगों की मांग पर मैं फरवरी में फिर से पिच पर वापस आऊंगा! इससे अच्छा और क्या होगा! आपके प्यार और शुभकामनाओं मेरे लिए बहुत मायने रखते है! भारत का समर्थन करते रहें, यह हमारी टीम है और एक सच्चा फैंन कठिन समय में अपनी टीम का साथ नहीं छोड़ता। हालांकि अभी यह बात साफ नहीं हुई है कि युवराज भारत के लिए खेलने या टी20 लीग में वापसी करेंग। लेकिन फैंस अभी से उत्साहित हो रहे है कि उन्हें क्रिकेट पिच पर एक बार और स्टार बल्लेबाज को खेलते देखने को मिलेगा।

बटलर ने श्रीलंका के खिलाफ शतकीय पारी को बताया सर्वश्रेष्ठ

शारजाह । श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में मुश्किल परिस्थितियों में नाबाद शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने वाले जोस बटलर ने कहा कि यह इंग्लैंड के लिए उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है। बटलर ने इस मैच में 67 गेंद की नाबाद पारी में 101 रन बनाए, जो इस प्रारूप में उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है। वह इसके साथ ही खेल के तीनों प्रारूप में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाजी भी बन गए। उनकी इस पारी से सोमवार को इंग्लैंड ने श्रीलंका को 26 रन से शिकस्त दी। मैच के बाद बटलर से जब पूछा गया कि क्या यह उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है तो उन्होंने कहा कि हां, यह उनमें से एक है। एक मैच से दो उपलब्धि हासिल करने के बाद उन्होंने कहा कि विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन कर खुश हूं, जहां सभी मैचों को जीतना जरूरी है। मुझे इस पारी के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन मुझे अपने अनुभव का उपयोग करने और धैर्य बनाए रखने का भरोसा था। मुझे पता था कि कभी ऐसी पारी खेलूंगा। इस जीत से निश्चित रूप से खुश हूं। इस 31 वर्षीय विकेटकीपर ने कहा कि उनकी शतकीय पारी टीम के लिए महत्वपूर्ण रही लेकिन उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना भी अच्छा रहा। खेल के तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में शतक लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि हाँ, यह बहुत अच्छा है। यह शायद कुछ ऐसा है जिसे मैं पीछे मुड़कर देखूंगा तो शानदार लगेगा। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई इंग्लैंड टीम ने 35 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद बटलर ने कप्तान इयोन मोर्गन (36 गेंद में 40 रन) के साथ चौथे विकेट के लिये 78 गेंद में 112 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ी है जिन्होंने इस उपलब्धि को हासिल की है या आगे ऐसा करेंगे।

पाकिस्तान दौरे पर वेस्टइंडीज महिला टीम की सुरक्षा के लिए तैनात होंगे करीब 800 सुरक्षाकर्मी

(एजेंसी)।

वेस्टइंडीज महिला टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीरीज से पहले सुरक्षा और आपातकालीन सेवा प्रभाग के डीआईजी ने कहा है कि कराची पुलिस के सुरक्षा और आपातकालीन सेवा प्रभाग ने आगामी मैचों के लिए एक सुरक्षा योजना तैयार की है। सीरीज के सभी मैच कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले जाने हैं। सुरक्षा योजना को एक बैठक में अंतिम रूप दिया गया जिसमें पुलिस, सेना, रेंजर्स, पीसीबी और सभी हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एसएसयू मुख्यालय में हुई बैठक के प्रभारी डीआईजी सुरक्षा और आपातकालीन सेवा प्रभाग, मकसूद अहमद थे। चाल के अनुसार वेस्ट इंडीज महिला क्रिकेट टीम के दौरे की सुरक्षा की देखभाल के लिए 500 पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों के साथ कम से कम 368 पुलिस विशेष सुरक्षा इकाई (एसएसयू) कमांडो को तैनात किया जाएगा। सुरक्षा बल नेशनल स्टेडियम कराची, एयरपोर्ट, रूट, होटल और अन्य जगहों पर अपनी सेवाएं देंगे। कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखने के लिए स्टेडियम के चारों ओर एक विशेष कमांड और कंट्रोल बस भी उपलब्ध कराई जाएगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसएसयू मुख्यालय में महिला कमांडो समेत एक विशेष हथियार और रणनीति (एसडब्ल्यूएटी) टीम तैयार रहेगी।

तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीमों का आमना-सामना करने के लिए मंचन किया जाएगा। मैच 8 से 14 नवंबर तक होंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ ने पहले कहा था कि यह दौरा 21 नवंबर से शुरू होने वाले विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम के लिए बड़ी तैयारी के रूप में काम करेगा।

भारत को हराने के बाद ही पाकिस्तान को मिली गति : शोएब मलिक

अबु धाबी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हराया था। इसे लेकर पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज शोएब मलिक ने मंगलवार को कहा कि विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम को हराने के बाद हमें टूर्नामेंट में गति मिली।पाकिस्तान ने 24 अक्टूबर को अपने शुरुआती सुपर 12 मैच में भारत को 10 विकेट से हरा दिया था। इस जोरदार जीत के बाद बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने जो गति हासिल की, उसे जारी रखते हुए पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को भी मात दी। अब मंगलवार को पाकिस्तान नामीबिया को हराकर दो अंक और अर्जित करने पर ध्यान देगा और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करेगा। सुपर 12 में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मलिक ने कहा, जब आप अपना टूर्नामेंट शुरू करते हैं और एक बड़ी टीम के खिलाफ जीतते हैं तो ड्रेसिंग रूम का पूरा माहौल बदल जाता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के खिलाफ जीत दर्ज कर, हमें वह गति मिली है। हम इसे बरकरार रखते हुए टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

अंपायर माइकल गॉ पर बायो बबल तोड़ने के कारण प्रतिबंध लगा

दुबई । इंग्लैंड के अंपायर माइकल गॉ पर आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान बायो बबल का उल्लंघन करने के लिए छह दिन का प्रतिबंध लगा है। इसके साथ ही माइकल को पृथकवास में भी भेज दिया गया है। यदि वह अपने छह-दिवसीय क्वारंटीन के दौरान परीक्षणों में नेगेटिव आते हैं तभी वह फिर से अंपायरिंग कर पायेंगे हालांकि भविष्य में आईसीसी क्या करती है यह भी स्पष्ट नहीं हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गॉ को आईसीसी की जैव सुरक्षा समिति ने यूएई में कोरोना बायो बबल के उल्लंघन का दोषी पाया था। अंपायर अपने होटल से टूर्नामेंट के बायो बबल का उल्लंघन कर कुछ व्यक्तियों से मिलने बिना बताए चले गए थे। आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा, जैव सुरक्षा सलाहकार समिति ने अंपायर गॉ को कोरोना जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण छह दिन पृथकवास में रहने को कहा है। गॉ को इसी कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच दुबई में हुए मैच की अंपायरिंग से रोक दिया गया था तब उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका के मराइस एरास्मस को अंपायरिंग की जिम्मेदारी दी गयी थी। अब वह होटल के कमरे में हैं और हर दूसरे दिन उनकी जांच हो रही है। अब छह दिन का क्वारंटीन पूरा होने और जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने पर ही वह अंपायरिंग कर सकेंगे।

जयवर्धने का बड़ा बयान, कहा- भारतीय खिलाड़ियों में स्पष्टता की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीलंका के पूर्व कप्तान और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियन्स के मुख्य कोच महेला जयवर्धने का मानना है कि खिलाड़ियों की भूमिका स्पष्ट न होने और टीम का सही चयन नहीं होने के कारण भारत को संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले दो मैचों में निराशा हाथ लगी। मुंबई इंडियन्स के साथ 2017 से कम कर रहे जयवर्धने ने कहा कि बल्लेबाजी हमेशा भारत की ताकत रही है, लेकिन एक बार जब वह विभाग लड़खड़ा जाता है, तो गेंदबाजों के लिए स्थिति मुश्किल हो जाती है। जयवर्धने ने कहा कि उस ड्रेसिंग रूम (भारतीय टीम) में कौशल बहुत अधिक है और मुझे लगता है कि भूमिका स्पष्ट नहीं थी और टीम कैसे गठित की जा रही है इसको लेकर भी स्प्ष्टता की कमी थी। इस टूर्नामेंट में आने से पहले लय में होना और खुद को एकजुट करना भी जरूरी है क्योंकि टीम के तौर पर भारत ने काफी समय से टी20 टूर्नामेंट नहीं खेला है। उन्होंने कुछ अभ्यास मैच खेले थे, उसमें टीम ने शानदार खेल दिखाया था। वे शीर्ष क्रम में बदलाव करते रहे और जब वास्तविक टूर्नामेंट में आए तो यह टीम के लिए थोड़ा कठिन था। भारत हमेशा बल्ले से हावी होने वाली टीम है लेकिन जैसे ही बल्लेबाजी उन्हें निराश करती है तो परेशानी बढ़ जाती है।

जयवर्धने कहा कि जब आप अन्य सभी गेंदबाजी आक्रमणों से तुलना करते हैं तो आपको लगता है कि भारत उसके आस-पास कहीं नहीं है। उनके पास कुछ आक्रामक गेंदबाज हैं लेकिन यह उनकी बल्लेबाजी है कि जिससे वह दूसरी टीमों पर हावी होने के लिए निर्भर रहते हैं और जब ऐसा नहीं हो रहा है तो यह चिंता का विषय है। जयवर्धने से जब 'स्पष्टता' का मतलब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए, स्पष्टता यह है कि आपके लिए पारी को शुरू करने के मामले में सबसे अच्छा विकल्प कौन है। आप उससे विस्फोटक शुरुआत को कैसे प्राप्त करने जा रहे हैं और रन गति को बढ़ाने के लिए मध्यक्रम में किसका इस्तेमाल करेंगे।

जूनियर हॉकी विश्व कप से पहले सीनियर टीम के साथ अभ्यास करने से फायदा मिलेगा : विवेक सागर

बेंगलुरू । ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य रहे विवेक सागर प्रसाद का मानना है कि भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता से पहले सीनियर टीम के साथ अभ्यास करने का मौजूदा चैंपियन भारत को फायदा मिलेगा। भारत की सीनियर और जूनियर टीमें अभी यहां भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में एक साथ अभ्यास कर रही है। इससे भारतीय जूनियर टीम को 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक होने वाले टूर्नामेंट की अच्छी तैयारियों का मौका मिल रहा है। प्रसाद भी आगामी टूर्नामेंट में भारत की तरफ से खेलेंगे।प्रसाद ने कहा कि हमारी तैयारी वास्तव में अच्छी चल रही है और प्रत्येक खिलाड़ी अभ्यास के दौरान मैदान पर अपना शत प्रतिशत दे रहा है। उसी परिसर में सीनियर टीम भी अभ्यास कर रही है जिसका बड़ा फायदा मिल रहा है क्योंकि हम उनके खिलाफ मैच खेलकर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम दबाव की परिस्थितियों को लेकर सीनियर खिलाडियों से काफी बात करते हैं और उनका अनुभव हमारे लिए काफी उपयोगी है।जूनियर विश्व कप में मेजबान भारत को पूल बी में कनाडा, फ्रांस और पोलैंड के साथ रखा गया है, जबकि पूल ए में बेल्जियम, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और चिली शामिल हैं। नीदरलैंड, स्पेन, कोरिया और संयुक्त राज्य अमरीका को पूल सी में जबकि जर्मनी, अर्जेंटीना, पाकिस्तान और मिस्त्र को पूल डी में रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कंटेंट राइटिंग में बनाना है करियर तो इन संस्थानों से करें टॉप कोर्स

कंटेंट राइटिंग एक ऐसी स्किल है, जिसका उपयोग सदियों से हो रहा है। पुराने समय में जब किसी भी इंसान को अपनी बात कहीं और पहुंचनी होती थी तो वो लेटर के द्वारा पहुंचाई जाती थी और लेटर यानि खत में सारी बातों को शब्दों में लिख कर बताया जाता है, जिसे हम उस लेटर का कंटेंट कहते हैं। आज के दौर में जब इंटरनेट की पहुंच दूर-दूर तक है वैसे में कंटेंट राइटिंग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विकल्प बना है। यह एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें ब्लॉग पोस्ट या लेख लिखने से लेकर वीडियो और पॉडकास्ट की स्क्रिप्टिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए कंटेंट तैयार करने तक सब कुछ शामिल है।

कंटेंट राइटर वेबसाइटों और मीडिया के अन्य रूपों के लिए कंटेंट लिखने का कार्य करते हैं। हालांकि यह एक साधारण काम लगता है, लेकिन इसके लिए बहुत से स्किल की जरूरत पड़ती है, जिसे किसी अच्छे कोर्स के माध्यम से ही विकसित किया जा सकता है।

कंटेंट राइटिंग का महत्व

कंटेंट राइटर सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो वेब ट्रैफिक और सेल को चलाने के लिए बहुत जरूरी है। यदि आप कंटेंट राइटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो ऐसे कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र हैं जो आप इस फील्ड में करके अपने स्किल को डेवलप कर सकते हैं। मार्केटिंग और कम्युनिकेशन के इस दौर में कंटेंट के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। सीधे शब्दों में कहें तो एक हाई क्वालिटी, अच्छा और रिसोर्सफुल कंटेंट किसी भी ब्रांड की छवि, विश्वसनीयता, विश्वास और बिजनेस को ग्रोथ दे सकता है।

ईसीटी (एजुकेशन एंड करियर टाइम्स)

दिल्ली में स्थित इस प्रशिक्षण संस्थान को केंद्र सरकार ने मान्यता मिली हुई है। ईसीटी के कंटेंट राइटिंग कोर्स में आप को अपने स्किल को विकसित करने के लिए असल प्रोजेक्ट से रूबरू कराया जाता है। जिसको पूरा करते हुए आप कंटेंट राइटिंग के तौर-तरीके सीख सकते हैं। ईसीटी का कंटेंट राइटिंग सर्टिफिकेट हर जगह मान्य है। यह डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग और कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ पर्सनल डेवलपमेंट कोर्स भी कराता है। इस कोर्स में आप कंटेंट राइटिंग शुरू करना, अपनी शब्दावली बढ़ाना, सामान्य व्याकरण की गलतियों से बचना, राइटिंग टूल्स, टिप्स और टेक्नोलॉजी सीखना, रचनात्मक गैर-लेखन शैली विकसित करना, बिजनेस राइटिंग, टेक्निकल राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग स्किल और अपनी राइटिंग को बेहतर करना सीखाया जाता है।

डिजिटल एकेडमी 360

इस एकेडमी का लक्ष्य कम फीस में छात्रों को हाई क्वालिटी, इंडस्ट्री बेस्ड कोर्स कराना है। डिजिटल एकेडमी 360 आपको अपने स्किल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए बेस्ट कोर्स उपलब्ध कराता है। इस एकेडमी का प्रशिक्षण एक सख्त कोर्स का पालन करता है। इस कंटेंट राइटिंग कोर्स में छात्रों को कंटेंट के बारे में शुरू से लेकर अंत तक की पूरी जानकारी दी जाती है। यहां पर इंडस्ट्री के मानकों को ध्यान में रखकर कोर्स तैयार किया गया है, जिसके यह 100% प्लेसमेंट सहायता के साथ आज के समय में देश के टॉप कंटेंट राइटिंग एकेडमी में से एक है।

हेनरी हार्विन एजुकेशन

यहां के कंटेंट राइटिंग कोर्स में कुल आठ मॉड्यूल शामिल हैं। इन मॉड्यूल में लैंग्वेज स्किल, इंटरनेट स्किल, बिजनेस एंड मार्केटिंग राइटिंग, कंटेंट स्ट्रेटजी, टेक्निकल एंड रिसर्च राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वहीं इसका आठवां मॉड्यूल आपको सिखाएगा कि आप अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट कैसे प्राप्त करें और ऑनलाइन पैसा कैसे कमाया जाए। इनका कंटेंट राइटिंग कोर्स 50 से ज्यादा राइटिंग टूल्स का इस्तेमाल करना सिखाएगा।

आईआईडीई (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल एजुकेशन)

भारत में इस ऑनलाइन कंटेंट राइटिंग कोर्स का उद्देश्य आपको कंटेंट मार्केटिंग के अवधारणाओं को गहराई से समझने और साथ ही विभिन्न कंटेंट कांसेप्ट को समझने में मदद करना है। इनका उपयोग मार्केटिंग के लिए किया जा सकता है। यह कोर्स आपको कंटेंट बनाना, पब्लिश करना और प्रमोट करना भी सिखाता है। यह कंटेंट राइटिंग कोर्स आपको सिखाएगा कि कैसे अपनी बेस को मजबूत करें और अपने ब्रांड को परिभाषित करते हुए दर्शकों को लक्षित करें।

वी-स्किल

इस सर्टिफिकेट को इंडस्ट्री में स्किल और नॉलेज के प्रूफ के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। यह छात्रों या कर्मचारियों के उन स्किल को मापने या साबित करने में सहायता करता है जो कंपनियों द्वारा मांगी जाती हैं। इस कोर्स में आपको कंटेंट राइटिंग का परिचय, सामान्य रूप से कंटेंट राइटर, इंडस्ट्री में डिमांड की जाने वाले कंटेंट, राइटिंग टिप्स और इंडस्ट्री में जॉब दिलाने का भरोसा मिलता है।

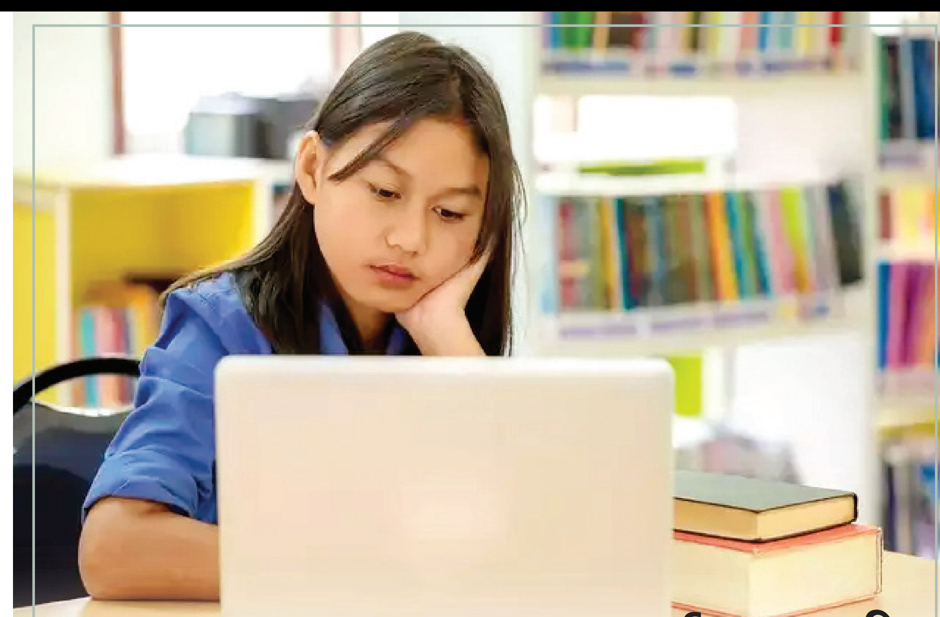

अगर पढ़ाई पर नहीं कर पाते हैं फोकस तो इन टिप्स को करें फॉलो मिलेगी सफलता

कई छात्र ऐसे हैं, जो पढ़ना तो चाहते हैं, लेकिन उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता है। अगर आप परीक्षा में अच्छे मार्क्स से उत्तीर्ण होना चाहते हैं तो मन लगा कर पढ़ना बहुत जरूरी है। आज के इस वतावरण में पढ़ाई से ध्यान हटने का एक साधारण सा कारण होता और वो है मन का विचलित होना। जो चीजें पढ़ाई से छात्रों का मन विचलित करती हैं, उनमें मुख्य रूप से सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट, दोस्त, परिवार, शोर-शराबा, अनलाइन गेम्स, आदि शामिल है। शायद आपके साथ भी ऐसे ही होता हो।

पढ़ाई के लिए सही जगह चुनें

- आपकी पढ़ाई आपके परिवेश और वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए सही जगह का चुनाव बहुत आवश्यक है। जगह का चुनाव करते समय इन बातों का ध्यान रखे।
- पढ़ाई के लिए शांत वातावरण हो।
- बैठने के लिए एक अच्छी कुर्सी और टेबल रखें।
- किताबों को अच्छे से रखने की सुविधा हो।
- पढ़ाई करते समय परिवार वालों से कहें की वह आपके कमरे में बार-बार ना आयें।

पढ़ाई को अपना रूटीन कार्य बनायें

- पढ़ाई के लिए एक योजना होना जरूरी है। एकाग्र हो कर पढ़ाई करने के लिए इस तरह का योजना बना सकते हैं।
- हर दिन पढ़ाई करने के लिए टाइम टेबल चार्ट बनायें और उसके अनुसार पढ़ाई करें।
- पढ़ाई को दैनिक कार्य से अलग ना समझें।
- पढ़ाई करने के लिए हमेशा उत्साहित रहें।
- 45 मिनट से ज्यादा लगातार पढ़ाई न करें।
- जिस समय पढने में आसानी होती है उसी के अनुसार अपना समय चार्ट बनायें।

ध्यान भटकाने वाली चीजों को दूर रखें

अगर आप लंबे समय तक पढ़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले ध्यान हटाने वाली चीजों से दूर रहें। क्योंकि इन चीजों की वजह से आप अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं और पढ़ाई में याद किए हुए पाठ्य भूल जाते हैं। इसलिए अगर पढ़ाई करना है तो इन इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों से दूर रहें।

अच्छे से पढ़े

अगर आपको अपने पाठ्यक्रम को समझना और याद करना है तो अपने सिलेबस को अच्छे से पढने की जरूरत होती है। जब आप पढ़ाई करें तो पहले लक्ष्य निर्धारित कर दें और लक्ष्य पूरा होने पर अपनी मेहनत के लिए स्वयं को शाबाशी दें। हमेशा सकारात्मक विचारों के साथ जुड़े रहें और खाली समय में अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढ़ें। भले ही काम-काम कर के पढ़ें पर समझ कर पढ़ें।

अपने शरीर को समझें

सभी छात्रों का पढ़ाई का अलग तरीका और समय होता है। कुछ लोग सुबह के समय अच्छा पढ़ते हैं या अपने कार्य में अच्छे होते हैं तो कुछ लोग रात के समय अच्छा पढने में मन लगाते हैं। आप को अपने शारीर को समझना होगा की आपका दिमाग कब ज्यादा पढने का मन कर रहा है रात को या दिन के समय। सही समय में ही सही कार्य करने को ही सफलता कहते हैं।

पर्याप्त और अच्छी नींद लें

मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। जब कोई व्यक्ति अच्छे से सोता है तो उसके हॉर्मोन सही तरीके से रेगुलेट होते हैं जो दिमाग को मजबूत बनाते हैं और शरीर को आराम भी देते हैं। इससे छात्रों को पढ़ाई किए हुए पाठ को याद करने में मदद मिलती है। थके हुए शरीर से कभी भी पढ़ाई पर ध्यान या मन लगाना बहुत मुश्किल होता है और कभी-कभी नामुमकिन भी है। इसलिए जरूरत के हिसाब से प्रतिदिन 7-8 घंटा रात को जरूर सोना चाहिए।

हेल्दी खाना खाएं

स्वस्थ रहने और पढ़ाई के लिए अच्छा खाना भी जरूरी है। अच्छा फल, सब्जियों, और अनाज खाने से दिमाग की शक्ति बढती है। पौष्टिक और संतुलित आहार से पढ़ाई में मन भी लगता है। ज्यादा वसा युक्त, मीठा, कार्बोहायड्रेट युक्त खाना न खाएं क्योंकि इससे आपके शरीर को हानी पहुंचाता है।

अनुशासित रहें

लंबे समय तक पढ़ाई के मूलमंत्रों में अनुशासन भी शामिल है। अगर पढ़ाई में ध्यान लगाना है तो अनुशासन बनाये रखना बहुत आवश्यक है। आपका मन भले ही एक तरफ से दूसरी और जाने लगे परन्तु अनुशासन ही वो चीज है जो आपका ध्यान से पढ़ने में मदद करता है। इसलिए जब कभी भी आपका ध्यान भटकने लगे तो उसे रोकें और अपने टाइम टेबल पर फोकस करें। इसके लिए आप अपने पढ़ाई वाली जगह पर एक कागज पर लिख कर चिपका दें ‟मैं पढ़ाई के समय मात्र पढ़ाई में ध्यान दूंगा और कुछ भी नहीं करूंगा”। पढ़ाई को मजा समझ कर पढ़ें ना की बोझ के जैसे।

आपको कब आराम करना है

अगर आप बिना रूके कोई काम करते हैं तो वह आपको बोझ लगने लगेगा। इसलिए पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक होना बहुत जरूरी है। सोचिये की ब्रेक एक अच्छा चीज है और उस समय कुछ सकारात्मक कार्य करें जिससे की पढ़ाई के दौरान याद किया हुआ चीज आप ना भूलें। आप प्रति 45-60 मिनट में 5-10 मिनट का ब्रेक जरूर लें, इससे दिमाग ताजा रहता है।

अपनी प्रगति की समीक्षा करें

अपने पढ़ाई के तरीकों में सुधार के साथ अपनी प्रगति को भी देखें। इससे आपको जरूर प्रेरणा मिलेगा और आप सही रूप से पढ़ाई करने में सफल हो पाएंगे। इसके लिए आप खुद से सवाल पूछें कि क्या आपने अपने लक्ष्य को हासिल किया, अगर नहीं तो क्यों।

कोरोना के बाद मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बढ़ रहे हैं ये नए ट्रेंड

कोरोना महामारी ने कई बिजनेस को अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दिया है और लोगों को वर्क फ्रॉम होम करने का निर्देश दिया गया है। इस महामारी ने डिजिटल क्रांति के अलावा प्रौद्योगिकी एकीकरण में भी अपना असर दिखाया है और कई उद्योगों को एक साथ ला दिया है। जिसके कारण युवाओं के लिए जॉब अवसर में भारी गिरावट आई है। कोरोना के कारण प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है मैकेनिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र, जहां पर जॉब की कमी होने के साथ ही नए ट्रेंड भी विकसित हुए हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग को इंजीनियरिंग के सबसे पुराने और व्यापक क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इसमें मशीनों के डिजाइन निर्माण और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी जाती है। इस फील्ड में कोर्स के दौरान स्टूडेंट को ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक मोटर्स, एयरक्राफ्ट अन्य भारी वाहनों के डिजाइन के बारे में सिखाया जाता है। मैकेनिकल इंजीनियर नई बैटरी के एथलेटिक्स के सामान से लेकर चिकित्सा उपकरणों और कंप्यूटर, एयर कंडीशनर, ऑटोमोबाइल इंजन से लेकर बिजली संयंत्रों तक सब कुछ डिजाइन करते हैं। ये इंजीनियर उन हर मशीनों को डिजाइन करते हैं, जो नई या पुरानी हैं। इसलिए, यह युवाओं का पसंदीदा फील्ड है।

सीएडी/सीएएम (कंप्यूटर एडेड डिजाइन और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग)

सीएडी/सीएएम ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जो ज्यामितीय डाटा को एन्कोड करने के लिए कंप्यूटर-आधारित विधियों का उपयोग करते हैं। इसमें स्वचालित मशीनरी के डिजाइन और निर्माण की प्रक्रियाएं अत्यधिक एकीकृत होती हैं। जबकि सीएडी का उपयोग मुख्य रूप से डिजाइन बनाने के लिए किया जाता है। सीएएम भागों के निर्माण में मशीन टूल्स का नियंत्रण है। यह पूर्व डिजाइनरों की मदद करने के साथ विनिर्माण लागत को कम करता है। दोनों सॉफ्टवेयर के लिए एक शक्तिशाली कंप्यूटर की आवश्यकता होती है।

हीट एक्सचेंजर का डिजाइन

हीट एक्सचेंजर्स ऐसे सिस्टम होते हैं जो दो या दो से अधिक तरल पदार्थों के बीच गर्मी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने का काम करते हैं। यह एक ऐसी प्रणाली है जो वास्तव में द्रव को सीधे स्थानांतरित किए बिना एक आसान तरीके से गर्मी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है। वे थर्मल प्रबंधन कार्यों के लिए ईंधन सेल सिस्टम के अत्यधिक महत्वपूर्ण भाग हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र ने हाल ही में एनर्जी एफिसिएंट, इफेक्टिव और लास्टिंग हीट एक्सचेंज को डिजाइन करने में काफी संभावनाएं देखी हैं।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री 40 और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स)

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को आसानी से एक निर्माण प्रणाली कहा जा सकता है। जिसमें आपूर्ति श्रृंखला के सभी सिरों को पूरी तरह से एकीकृत करने और किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए गति, संरचना की जवाबदेही हो सकती है। यह ग्राहकों की लगातार बढ़ती मांगों और आपूर्ति नेटवर्क की बदलती परिस्थितियों में समन्वय बनाना सुनिश्चित करता है। इसे उद्योग 40 कहा जाता है, क्योंकि यह चौथी औद्योगिक क्रांति है जिसमें स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस किया जा रहा है। इस स्मार्ट इंडस्ट्री ने आईओटी के साथ उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के साथ मुनाफे में भी मदद की है। यह यूआईडीएस का उपयोग करके नेटवर्क पर डेटा स्थानांतरित करने में मदद करने के लिए उपकरणों, यांत्रिक मशीनों, मैन पॉवर, वस्तुओं आदि को एक साथ जोड़ने वाली एक प्रणाली है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसमें एक मशीन मानव व्यवहार का अनुकरण करने की कोशिश करता है। यह टेक्नोलॉजी आने वाले समय में इंडस्ट्री निश्चित रूप से भविष्य है। क्योंकि अब एआई का उपयोग रोबोटिक्स, वीआर, आईओटी आदि जैसे अधिकांश आने वाले तकनीकी क्षेत्रों में किया जा रहा है। मशीन लर्निंग एआई के उन एप्लीकेशन में से एक है, जो सिस्टम को पहले से स्पष्ट रूप से प्रोग्राम किए बिना मशीन के बारे में ऑटोमैटिक नॉलेज देता है।

मैकेनिकल इंजीनियर का भविष्य उज्जवल

आज के समय में मैकेनिकल इंजीनियरों की सबसे ज्यादा डिमांड हाइब्रिड और ऑटो नोमोस टेक्नोलॉजी, डेटा साइंस, एम्बेडेड सिस्टम, स्मार्ट सिटी और सिटी एनॉलिसिस्ट आदि के साथ ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में हैं। कुछ बदलाव व दबाव के बाद भी मैकेनिकल इंजीनियरिंग का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, क्योंकि कई उद्योगों को अब एनॉलिसिस्ट स्किल के साथ टेक्नोलॉजी की गहरी समझ वाले युवाओं की सख्त जरूरत है।

बच्चों की करना चाहते हैं केयर, तो पीडियाट्रिशन में बना सकते हैं करियर

छोटे बच्चे अधिक नाजुक होते हैं, इसलिए वे बड़ों की अपेक्षा अधिक बीमार पड़ते हैं। इसलिए उन्हें स्पेशल केयर, देखरेख और चिकित्सक की आवश्यकता पड़ती है। इन बच्चों का इलाज और देखभाल करने वाले डॉक्टर को पीडियाट्रिशन या बाल रोग चिकित्सक कहते हैं। यह मेडिकल साइंस की एक विशेष शाखा है, जो खासतौर से बच्चों के विभिन्न रोगों के निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करता है।

पीडियाट्रिशन का काम

आमतौर पर माना जाता है कि पीडियाट्रिशन का कार्य सिर्फ बच्चे के बीमार होने पर दवाई देने तक सीमित है, लेकिन उनका काम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के योग्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों की बीमारी का इलाज करने के साथ-साथ उनकी देखभाल पर भी पूरा ध्यान केंद्रित करते हैं। वे बच्चों के माता-पिता को सलाह देते हैं कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें, उनके टीकाकरण का प्रबंधन करें और उन बीमारी का इलाज किस तरह कराएं, जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करता है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के व्यवहार, विकास और शारीरिक कार्यों में विकारों की शुरुआती पहचान करने के अलावा उनके रोकथाम और प्रबंधन के लिए भी काम करते हैं।

इन फील्ड से बना है पीडियाट्रिशन

पीडियाट्रिशन दो मुख्य क्षेत्रों से बना है। एक सामान्य बाल रोग विशेषज्ञ आमतौर पर शिशुओं और बच्चों के लिए सामान्य बीमारियों और अन्य बीमारियों का इलाज करते हैं, जबकि इसके विशेषज्ञ बच्चों की बीमारी से संबंधित किसी क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। वे एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोगों, ऑन्कोलॉजी, क्लीनिक फार्माकोलॉजी, आदि में से किसी भी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिस्ट हो सकते हैं।

जरूरी एजुकेशन

आप अगर इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको विज्ञान विषय के साथ 12वीं पास करना होगा। जिसके बाद आपको किसी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होगी। किसी भी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज या विश्वविद्यालयों से एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने के बाद, आप बाल चिकित्सा में एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) की डिग्री भी ले सकते हैं। इसके बाद आप एक पीडियाट्रिशन के तौर पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसके आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं और इस फील्ड में रिसर्च के अलावा एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोग, ऑन्कोलॉजी आदि में विशेषज्ञता कर सकते हैं।

करियर के लिए जरूरी पर्सनल स्किल

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए सिर्फ एजुकेशन ही जरूरी नहीं है। आपके अंदर कई पर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेस के लिए आप में धैर्य होने के साथ अच्छा कम्युनिकेशन स्किल का होना भी बहुत जरूरी है। इसके अलावा, बच्चों की भावनाओं को पहचाने के लिए उनमें आर्ब्जवर स्किल्स भी होना चाहिए, क्योंकि वह अपने ऑर्ब्जवेशन के आधार पर ही डायग्नोस और उपचार करते हैं। उन्हें लंबे समय तक काम करने में सक्षम होना चाहिए और आपात स्थितियों के मामले में समय पर निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

करियर स्कोप

यह फील्ड शानदार करियर स्कोप प्रदान करता है। यहां पर जॉब की कमी नहीं है। कोर्स पूरा करने के बाद बतौर पीडियाट्रिशन आप निजी और सरकारी अस्पतालों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं या फिर चिकित्सा केंद्र में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल कॉलेजों या प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षण का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं रिसर्च करने के बाद आप बच्चों से जुड़े रोगों के कारणों व निदान पर रिसर्च कर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

सैलरी

एक पीडियाट्रिशन की सैलरी उसके अनुभव, स्थान व स्किल पर निर्भर करता है। कोर्स पूरा करने के बाद अगर आप सरकारी क्षेत्र में जाते हैं तो उस राज्य के पे-स्केल के अनुसार आप 50 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी पा सकते हैं। वहीं अगर आप किसी निजी अस्पताल में जॉब करते हैं तो अपनी योग्यता के अनुसार लाखों रुपये प्रतिमाह की सैलरी ले सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव के बाद आप प्रतिमाह 5 से 10 लाख रुपये कमा सकते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सालेह ने कहा- पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहा तालिबान, मान्यता न मिली तो हो जाएगा और क्रूर

काबुल। तालिबान द्वारा अपनी सरकार को मान्यता के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को दी चेतावनी के बाद पूर्व अफगान उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाकिस्तान और तालिबान की दोस्ती पर फिर हमला बोला है । सालेह ने कहा कि दुनिया से जबरन मान्यता के लिए तालिबान पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहा है। सालेह उन अफगान नेताओं में से हैं जो तालिबान के आगे झुकने से इंकार कर चुके हैं। तालिबान द्वारा एक शादी में संगीत बंद करने के लिए 13 लोगों को मौत के घाट उतारने के बाद सालेह ने अपने ट्विटर पर लिखा, 'तालिबान का दुनिया के लिए संदेश स्पष्ट है कि अगर आप हमें मान्यता नहीं देंगे तो हम और क्रूर हो जाएंगे और अधिकारों और मूल्यों के प्रति और ज्यादा बुरे हो जाएंगे। ' सालेह ने आगे लिखा 'अगर आप हमें मान्यता दे देंगे तो हम कम बुरे बने रहेंगे। यह पाकिस्तान की पश्चिम के लिए नीति जैसा है जिसके अनुसार अगर आप हमें डॉलर्स देंगे तो हम कम बुरे बने रहेंगे। अगर आप नहीं देंगे तो हम सबसे बुरे बन जाएंगे।' अफगानिस्तान में तालिबान शासन ने अपने कट्टरपंथी नियम लागू कर दिए हैं। इनमें संगीत सुनने और मनचाहे कपड़े पहनने पर भी मनाही है। नियम तोड़ने वालों को मौत के घाट उतार दिया जाता है। यही हुआ बीते दिनों अफगानिस्तान की एक शादी में, जहां म्यूजिक बजाने की कीमत 13 लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। तालिबान शासन में खबरों का बाहर आना भी बेहद मुश्किल है। ऐसे में पूर्व अफगान उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने ट्विटर पर इस घटना की जानकारी दी है। अमरुल्लाह सालेह ने ट्विटर पर लिखा, 'तालिबान लड़ाकों ने नेंगरहार में एक शादी की पार्टी में म्यूजिक को बंद करने के लिए 13 लोगों की हत्या कर दी। हम सिर्फ निंदा करके अपना क्रोध व्यक्त नहीं कर सकते। 25 साल तक पाकिस्तान ने उन्हें अफगान संस्कृति को खत्म करने और हमारी धरती पर कब्जा करके आईएसआई के कट्टर शासन की स्थापना के लिए ट्रेनिंग दी।

पाकिस्तान में विपक्षी गठबंधन पीडीएम ने चुनाव हेराफेरी को लेकर दी इमरान को चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई व देश की चरमराई व्यवस्था को लेकर डेमोक्रेटिक मूवमेंट प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने एक बार फिर प्रधानमंत्री इमरान खान को फटकार लगाई। मौलाना फजलुर रहमान ने इमरान खान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर फिर से चुनावी हेराफेरी की गई तो सरकार के खिलाफ बगावत हो सकती है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक PDM प्रमुख ने एक जनसभा में कहा कि 25 जुलाई, 2018 देश की संसद के इतिहास का काला दिन है इस दिन वोटों की हेराफेरी की गई थी। उन्होंने इमरान का नाम लिए बिना कहा कि मौजूदा शासकों ने देश को दिवालिया कर दिया है। एक मजबूत देश के लिए मजबूत अर्थव्यवस्था जरूरी, खराब अर्थव्यवस्था के कारण रूसभी विघटित हो गया था। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मजबूत थी, भारतीय प्रधानमंत्री बस से यात्रा करके पाकिस्तान आए थे। अब मौजूदा भाजपा सरकार कमजोर अर्थव्यवस्था के कारण पाकिस्तान से बात भी करने को तैयार नहीं है।

अमेरिकी सांसद ने बांग्लादेश व त्रिपुरा सांप्रदायिक हिंसा पर जताई चिंता

वाशिंगटन। अमेरिका के सांसद एंडी लेविन ने बांग्लादेश और भारत के त्रिपुरा राज्य में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। सांसद लेविन ने ट्वीट किया, ''मैं बांग्लादेश और भारत के त्रिपुरा राज्य में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच लगातार हिंसा की खबरों से बेहद चिंतित हूं। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर कथित ईशनिंदा संबंधी पोस्ट के वायरल होने के बाद बांग्लादेश में मध्य अक्टूबर में दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ ने हिंदू मंदिरों और उनके मकानों पर हमला कर दिया था। वहीं, पड़ोसी त्रिपुरा में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के लिए न्याय की मांग करते हुए एक प्रदर्शन किया जा रहा था, इस दौरान राज्य में हिंसक झड़प हो गई थी। लेविन ने 'द वाशिंगगटन पोस्ट' की इस संबंध में दी एक खबर को रीट्वीट करते हुए लिखा, ''धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ सभी ताकतों द्वारा उत्तेजक एवं क्रूर उकसावे की कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।'

अमेरिका: दिवाली को घोषित होगा प्रशासनिक अवकाश, जल्द पेश होगा विधेयक

वाशिंगटन। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को जल्द ही एक बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है। अगर संभव हुआ तो अमेरिका में दिवाली को प्रशासनिक अवकाश घोषित किया जा सकता है, यह घोषणा भारतीयों के लिए बहुत मायने रखती है। हालांकि, दिवाली को प्रशासनिक अवकाश के रूप में मान्यता बुधवार को पेश होने वाले विधेयक पर निर्भर करती है।

दरअसल, अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य कैरोलिन मैलोनी की ओर से बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के सामने दिवाली को संघीय अवकाश घोषित करने के लिए विधेयक पेश किया जाएगा।

बुधवार को पेश होने वाले इस विधेयक के समर्थन में डेमोक्रेट कांग्रेस के सदस्यों के साथ इंडिया कॉकस, कांग्रेस के सदस्य रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति व अन्य अधिवक्ता भी शामिल होंगे। यदि इस विधेयक को मंजूरी मिल जाती है, तो अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को दिवाली पर छुट्टी मनाने का मौका मिलेगा और भारतीय अमेरिकियों की सांस्कृतिक विरासत का भी सम्मान होगा। विधेयक को मंजूरी मिलते ही अमेरिका के कई दफ्तरों में दिवाली वाले दिन छुट्टी रहेगी।अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य कैरोलिन मैलोनी भारतीय अधिवक्ताओं के साथ लंबे समय से सक्रिय हैं। उन्होंने ही भारतीय पर्व दिवाली को सम्मान देने के लिए एक डाक टिकट जारी करवाया था, यह टाक टिकट 2016 से सर्कुलेशन में है।

वैश्विक वायु गुणवत्ता रिपोर्ट:दुनिया के शीर्ष पांच प्रदूषित शहरों में लाहौर दूसरे नंबर पर

लाहौर। पाकिस्तान का शहर लाहौर दुनिया में खराब वायु गुणवत्ता वाले शीर्ष पांच शहरों में दूसरे स्थान पर है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर की पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) के लिहाज से रेटिंग 188 है, जो अस्वास्थ्यकर श्रेणी में है। संयुक्त राज्य पर्यावरण संरक्षण एजेंसी वायु गुणवत्ता सूचकांक के मुताबिक यह रेटिंग 50 से कम होने पर संतोषजनक मानी जाती है।

इससे पहले मार्च में आईक्यू एयर वैश्विक वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में पाकिस्तान को दूसरा सबसे प्रदूषित देश बताया गया था। देश के पर्यावरण विशेषज्ञों ने प्रदूषण के लिए फसल अवशेषों को जलाने के अलावा परिवहन क्षेत्र और उद्योगों को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं इससे पहले पिछले साल दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की सूची में पाकिस्तान का

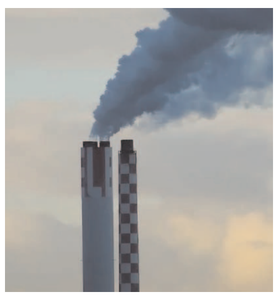

लाहौर पहला स्थान पर रहा था। वहीं, इस लिस्ट में नई दिल्ली को दूसरे नंबर पर जगह दी गई थी। नेपाल की राजधानी काठमांडू को इस लिस्ट में तीसरा स्थान मिला था।

दावा: आईसीबीएम के गोदाम बनाकर दुनिया के लिए खतरा पैदा कर रहा है चीन

बीजिंग। चीन रणनीतिक रूप से संवेदनशील कई जगहों पर इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के साइलो बनाकर पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा कर रहा है। माना जा रहा है कि चीन 5500 किमी दूरी तक परमाणु हथियारों के साथ हमला करने में सक्षम आईसीबीएम के लिए 280 साइलो-आधारित लॉन्च फैसिलिटी की तादाद बढ़ा रहा है।

फरवरी के बाद तेजी से बढ़ाया आईसीबीएम साइलो का निर्माण

इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी का दावा है कि चीन अपने परमाणु हथियारों और उनकी वितरण प्रणालियों के आधुनिकीकरण के तेज प्रयास कर रहा है। इन्हीं प्रयासों के तहत चीन साइलो आधारित आईसीबीएम के अलावा रोड-मोबाइल आईसीबीएम, परमाणु पनडुब्बियों का विकास कर रहा

है। उपग्रह चित्रों से पता चलता है कि जिलांताई में मौजूद साइलो के अलावा युमेन, हमी और हैंगगिन बैनर में भी आईसीबीएम साइलो बनाए जा रहे हैं।

मिसाइल भंडारण व प्रक्षेपण की संयुक्त सुविधा है साइलो

साइलो आधारित आईसीबीएम असल में संयुक्त मिसाइल भंडारण व प्रक्षेपण प्रणाली है। इसमें एक ही जगह पर मिसाइलों के भंडारण और हमले के लिए प्रक्षेपित करने की सुविधा होती है। इससे मिसाइल से हमला करना बहुत आसान हो जाता है, जितनी ज्यादा साइलो साइट्स होती हैं, एक साथ उतनी ज्यादा मिसाइल दागने की क्षमता बढ़ जाती है।

चेतावनी:जलवायु परिवर्तन की वजह से 2050 तक पूरी तरह तबाह हो सकती हैं बड़ी आर्थिक शक्तियां

वाशिंगटन। दुनिया को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जल्द कड़े फैसले नहीं हुए तो विश्व की शक्तिशाली आर्थिक शक्तियां वर्ष 2050 तक पूरी तरह तबाह हो सकती हैं। ग्लासगो में कॉप26 बैठक से ऐन पहले यूरो मेडिटेरियन सेंटर ऑन क्लाइमेंट चेंज (सीएमसीसी) ने अपनी रिपोर्ट जारी करते हुए ये चेतावनी दी है।

इटली के रिसर्च सेंटर सीएमसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए कोई फैसला नहीं लिया गया तो अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा, फ्रांस, ब्राजील, मेक्सिको, जापान, चीन और रूस जैसी शक्तिशाली आर्थिक शक्तियां पूरी तरह तबाह हो सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों के फलस्वरूप सूखा, तेज गर्मी, समुद्र के जल स्तर में बढ़ोतरी के साथ खाद्य पदार्थों का संकट गहराने से स्थिति बिगड़ सकती है।

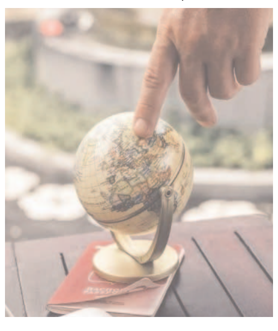

सीएमसीसी की वैज्ञानिक डोनाटेला स्पानो का कहना है कि हम अगर एक दूसरे के फैसले का इंतजार करते रहे तो आने वाले समय में ये तय है कि सब एक साथ बर्बाद हो जाएंगे।

अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जी20 देश 2050 तक अपनी अर्थव्यवस्था के कुल उत्पादन में चार फीसदी का नुकसान उठाएंगे। यही नहीं वर्ष 2100 तक ये नुकसान बढ़कर आठ फीसदी तक हो जाएगा। मालूम हो कि जी20 देश वैश्विक स्तर पर 80 फीसदी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के जिम्मेदार हैं।

खाद्य संकट, सूखा और गर्मी बढ़ने के कारण भविष्य की राह कठिन

लक्ष्य : 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में 7.5 फीसदी की कमी लानी होगी तभी जीवन सुरक्षित होगा।

संकट : सूखा, गर्मी, समुद्र के जल स्तर में बढ़ोतरी और खाद्य पदार्थों का संकट गहराने से स्थिति बिगड़ सकती है।

खतरा: गर्मी और तपिश पर काबू नहीं पाया तो इससे सदी के अंत तक यूरोप में 90 हजार लोगों की मौत होगी।

इस एसडब्ल्यूपीसी ने बयान जारी कर कहा- सप्ताह के अंत तक पृथ्वी से टकरा सकता है सौर तूफान

वाशिंगटन। इस सप्ताह के अंत तक एक सौर तूफान के पृथ्वी से टकराने का खतरा बना हुआ है। इसके कारण इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। अमेरिका के स्पेस वेदर प्रिडिक्शन सेंटर (एसडब्ल्यूपीसी) ने बयान जारी कर बताया है कि हाल ही में सूर्य से एक विशाल एक्स1 चमक निकली है जो सप्ताह के अंत तक सौर तूफान के रूप में पृथ्वी से टकरा सकती है।

एसडब्ल्यूपीसी ने बताया कि 28 अक्तूबर को एक शक्तिशाली आर3 रेडियो ब्लैक आउट देखा गया था। वैज्ञानिकों की टीम अब इस विशाल चमक के बारे में अध्ययन कर रही है जो कोरोनल मास इंजेक्शन (सीएमई) सिग्नेचर जैसा है।

वैज्ञानिकों का कहना कि सीएमई इलेक्ट्रिकली चार्ज मैटर होता है।इसी के साथ अंतरिक्ष में इसकी चुंबकीय शक्ति भी तेज होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये विशाल सीएमई जब पृथ्वी से टकराएगा तो ये पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आएगा जिससे क्रिया-कलाप को प्रभावित कर सकता है।

क्रस्ट में बिजली पैदा हो सकती है जो कई तरह से नुकसानदेह हो सकती है।

सौर तूफान से इंटरनेट को खतरा

वैज्ञानिकों का कहना है कि ये सौर तूफान जब पृथ्वी से टकराएगा तो सैटेलाइटों के इससे इंटरनेट की दुनिया प्रभावित हो सकती है। हर सदी में इस तरह का तूफान एक बार आता है। अगर इस सदी में इस तरह का कोई सौर तूफान पृथ्वी से टकराता है तो कई उपग्रहों के साथ ऊर्जा संयंत्रों को नुकसान हो सकता है।

कोरोना से ठीक हो चुके लोगों के लिए खतरा अब भी बरकरार

वाशिंगटन। कोरोना के दौरान अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज ठीक होने के सालभर बाद ही लोग अपनी पुरानी क्षमता के मुताबिक काम नहीं कर पाते हैं क्योंकि उन्हें लंबे समय तक कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजिकल एंड रिहैबिलिटेशन मेडिसिन में प्रकाशित शोध रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस से ठीक हो चुके लोगों में इसका असर करीब एक वर्ष तक रहता है। लॉन्ग कोविड यानी पोस्ट एक्यूट कोविड-19 सिंड्रोम के आधे मरीजों में यह परेशानी है। नए शोध के अनुसार मार्च 2020 से मार्च 2021 के बीच हुए अध्ययन में पाया गया कि संक्रमण से ठीक हुए मरीजों को उससे पूरी तरह से उबरने में लंबा समय लगता है। शोध के दौरान 82 फीसदी लोगों में शारीरिक थकान की समस्या सामने आई है, जबकि 67 फीसदी लोगों को ब्रेन फॉग की समस्या का सामना करना पड़ा। 60 फीसदी लोग ऐसे थे जिन्हें सिरदर्द की समस्या से जूझना पड़ा। 59 फीसदी को अनिद्रा जबकि 54 प्रतिशत लोगोंको एक वर्ष तक नियमित रूप से चक्कर की समस्या सामने आई। इस शोध में सबसे पहले वास्तविक नुकसान और सिंड्रोम के प्रभाव का आकलन किया गया है। साथ ही उन कारकों का भी गहन अध्ययन किया गया जो इन लक्षणों को बढ़ाने का कारण बन सकते हैं। कोरोना से पीड़ित अमेरिका के ऑर्गन प्रांत के एलेक्स कास्ट्रो को 299 दिन अस्पताल में रहना पड़ा। लॉन्ग कोविड के मरीज 44 वर्षीय एलेक्स को इस दौरान 108 दिन तक लाइफ सपोर्ट पर रखा गया।

ईरान के विदेश मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दोल्लाहियन कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद अब पृथक-वास में रह रहे हैं।

ईरान की सरकारी एजेंसी ने यह जानकारी दी। आधिकारिक समाचार एजेंसी 'इरना' के अनुसार, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दोल्लाहियन की हालत ठीक बताई जा रही है। खबर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतीबजादेह के हवाले से कहा गया कि देश के शीर्ष राजनयिक कार्यलय से दूर रहकर भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।'इरना' ने पहले अमीर-अब्दोल्लाहियन के संक्रमित होने की पुष्टि नहीं की थी, इसकी जानकारी उसने बाद में दी। ईरान के कई अधिकारी पहले भी संक्रमित हो चुके हैं।

ईरान में संक्रमण के करीब 60 लाख मामले सामने आए हैं और वह पश्चिम एशिया में वैश्विक महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित देश है। 8.4 करोड़ की आबादी वाले देश में संक्रमण से 1,25,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। ईरान के अधिकारियों ने आगाह किया है कि देश में 45 प्रतिशत से भी कम लोगों का पूर्ण टीकाकरण हुआ है और इससे संक्रमण के अधिक फैलने की आशंका बनी है।

तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को दी धमकी, मान्यता दो वर्ना...

नई दिल्ली। आंतकवाद की शरणस्थली पाकिस्तान की तमाम कोशिश के बावजूद तालिबान को दुनिया के लगभग सभी देशों मान्यता देने में कोई रूचि नहीं दिखाई है। ऐसे में तालिबान की गुस्सा बढ़ने लगा है और मान्यता के लिए धमकियों पर उतर आया है। 2 माह के शासन के बाद अब तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे अफगानिस्तान से कोई खतरा नहीं चाहते हैं, तो दुनिया को तालिबान हुकूमत को मान्यता दे देनी चाहिए। एक प्रेस कान्फ्रेंस में तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि तालिबान को एक जिम्मेदार पक्ष के रूप में देखा जाना चाहिए। मुजाहिद ने एक संभावित चेतावनी के तौर पर कहा कि तालिबान अन्य देशों के खतरों को तब तक टालने की कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा,

जब तक उन्हें अंतरराष्ट्रीय बिरादरी मान्यता नहीं देती है।

तालिबान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मान्यता एक द्विपक्षीय जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमने पहले अमेरिका से जंग लड़ी, क्योंकि उन्होंने हमें अतीत में मान्यता नहीं दी। यदि तालिबान को मान्यता नहीं दी गई, तो यह केवल अफगानिस्तान, इस क्षेत्र और दुनिया में समस्याओं को बढ़ाएगा। मुजाहिद ने आगे दावा किया कि तालिबान ने अपनी मान्यता के लिए सभी शर्त पूरी कर ली है और दुनिया उन्हें किसी न किसी तरह मान्यता देगी। मुजाहिद ने सभी देशों को अफगानिस्तान में अपने राजनयिक मिशनों को सक्रिय करने के लिए भी कहा।

बता दें कि अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबान ने अंतरिम सरकार का ऐलान किया, मगर अभी तक इसे अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से मान्यता मिलने का इंतजार है। दरअसल अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत को दो महीने से ज्यादा वक्त हो चुका है लेकिन किसी मुल्क ने उसके शासन में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। पाकिस्तान-चीन जैसे कुछ देशों को छोड़ कर कोई भी देश तालिबान पर भरोसा नहीं नहीं करता और उसके साथ संबंध बढ़ाने में कोई रूचि नहीं दिखाई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय फिलहाल अफगानिस्तान में मानवाधिकारों की स्थिति को देख रहा है। इसकी नजर अभी युद्धग्रस्त मुल्क में मानवीय संकट को कम करने पर केंद्रित है।

आस्ट्रेलिया ने 20 माह लॉकडाऊन के बाद खोले बार्डर; रो पड़े यात्री, भारत ने दी चेतावनी

कैनबरा। आस्ट्रेलिया ने 20 महीने बाद अपनी सीमाएं फिर से खोल दीं और सिडनी के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर विमानों के उतरने के बाद यात्रियों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। सिडनी के किंग्सफोर्ड स्मिथ हवाईअड्डे पर न्यूयार्क से आए कार्ली बोयड नाम के एक यात्री ने कहा, ''बगैर पृथक-वास में गए घर पहुंचने में सफल रहा।'' एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों में कोविड-19 महामारी से जुड़े विश्व के कुछ कठोरतम लॉकडाउन और यात्रा प्रतिबंध लागू रहे हैं, लेकिन टीकाकरण दर बढ़ने और संक्रमण के मामले घटने से कई देशों ने अब एहतियात के साथ सीमाएं खोलना शुरू कर दिया है।

थाईलैंड ने भी अपनी सीमाएं खोलीं

चीन और जापान जैसे कुछ देशों की सीमाएं विदेशी यात्रियों के लिए बंद है लेकिन थाईलैंड ने अपनी सीमाएं खोल दी और कई अन्य देशों के भी इसका अनुकरण करने की संभावना है। हालांकि, थाईलैंड वासियों को इस बात की चिंता है कि बाहरी लोगों के भारी संख्या में पहुंचने से महामारी का फिर से प्रसार हो सकता है। थाईलैंड ने महामारी के दौरान देशवासियों को यात्रा करने की अनुमति दे दी लेकिन देश में प्रवेश करने वाले लोगों के लिए होटलों में दो हफ्ते के अनिवार्य पृथक-वास की शर्त रखी है।

टीकाकरण करा चुके यात्रियों को पृथक-वास से छूट

यदि यात्री पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके हैं और 46 कम जोखिम वाले देशों से हैं तो उन्हें पृथक-वास में रहने से छूट मिलेगी। उन्हें एक रात निर्धारित होटल में बितानी होगी और कोविड-19 की जांच की नेगेटिव रिपोर्ट आने पर ही उन्हें होटल से बाहर जाने दिया जाएग, लेकिन उसके बाद वे यात्रा के लिए स्वतंत्र होंगे।थाईलैंड के 'रूरल डॉक्टर सोसायटी' के प्रमुख सुपत हासुवन्नाकित ने कहा कि वे दिसंबर में बार और क्लब फिर से खोले जाने की योजना को लेकर चिंतित हैं।

उन्होंने कहा, ''जब लोग एकत्र होना, साथ खाना-पीना शुरू कर देंगे तो महामारी का नये सिरे से प्रसार होने की आशंका काफी बढ़ जाएगी।''

भारत में अधिकारियों ने चेतावनी दी

भारत में अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि लोगों को त्योहारों के दौरान एहतियात बरतने की जरूरत है।भारत ने चार्टर उड़ानों से आने वाले व पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके लोगों को 15 अक्टूबर से पर्यटक वीजा जारी करना शुरू किया था। उसे 15 नवंबर से वाणिज्यिक उड़ानों से आने वाले पर्यटकों पर भी लागू किया जाएगा। श्रीलंका ने भी पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके यात्रियों को पृथक-वास में रखने की शर्त के बिना प्रवेश की अनुमति दे दी है। साथ ही, आंशिक टीकाकरण करा चुके या टीका नहीं लगवाये व्यक्तियों को कुछ पाबंदियों के साथ प्रवेश की अनुमति दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस ने केन्द्र सरकार पर साधा निशाना, कहा- जनता का रुख बदल रहा है, बीजेपी की उलटी गिनती शुरू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने लोकसभा की तीन सीटों और विभिन्न राज्यों में विधानसभा की 29 सीटों के लिए हुए उपचुनावों में कुछ स्थानों पर खुद को मिली सफलता के बाद मंगलवार को कहा कि इन नतीजों से स्पष्ट है कि जनता का रुख बदल रहा है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उलटी गिनती शुरू हुई है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अहंकार त्यागते हुए कृषि से संबंधित तीनों 'काले कानूनों' को वापस लेना चाहिए और पेट्रोल-डीजल-गैस पर 'लूट' बंद करनी चाहिए। सुरजेवाला ने ट्वीट किया, ''लोकसभा उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कुल 3 में से 2 सीटें हार गई। विधानसभा चुनावों में भी जहां कांग्रेस-भाजपा की सीधी टक्कर है, भाजपा हारी है।

हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र इस का सबूत हैं।'' उन्होंने कहा, ''मोदी जी, राजहठ छोड़ें ! तीनों काले क़ानून वापस लें। पेट्रोल-डीज़ल-गैस पर लूट बंद करें। अहंकार त्यागें।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला ने कहा कि उपचुनावों के नतीजों से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की लोकप्रियता कम हो रही है और जनता का रुख बदल रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हिमाचल में हम चार सीटों (एक लोकसभा और तीन विधानसभा सीट) पर जीते हैं। लोकसभा क्षेत्र मंडी का परिणाम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब राष्ट्रीय स्तर चुनाव में भी भाजपा की हार शुरू हो गई है।'' शुक्ला ने कहा, ''यह नतीजा बहुत उत्साहजनक है। मैं समझता हूं कि जनता का रुख बदल रहा है। हमें राजस्थान में जीत मिली है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री के गृह जिले में हम जीते हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा हार गई है। स्पष्ट है कि भाजपा की लोकप्रियता गिर रही है।'' उन्होंने कहा, '' पिछले लोकसभा चुनाव में मंडी में भाजपा को 70 प्रतिशत मत मिले थे। आज कांग्रेस ने वहां जीत दर्ज की है। हिमाचल प्रदेश में अगले साल जब चुनाव होगा, तब वहां परिवर्तन होगा। जनता ने कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना लिया है।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने ट्वीट किया, ''हिमाचल प्रदेश कांग्रेस को उपचुनाव में जीत के लिए हार्दिक बधाई। लोकसभा और विधानसभा उपचुनावों के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों पर भरोसा जताने के लिए हिमाचल प्रदेश के मतदाताओं का आभारी हूं।'' उन्होंने यह दावा भी किया, ''हवाओं ने अपनी दिशा बदल दी है, भाजपा के लिए उलटी गिनती शुरू हो गई है।'' गौरतलब है कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की है। मध्य प्रदेश की खंडवा सीट पर भाजपा जीती तथा दादरा और नागर हवेली की लोकसभा सीट शिवसेना के खाते में गई है। देश में 29 विधानसभा सीटों और तीन लोकसभा सीटों

पर हुए उपचुनाव में डाले गए मतों की गणना मंगलवार को शुरू हुई। इन सीटों के लिए गत 30 अक्टूबर को मतदान हुआ था। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में अगले साल के शुरु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इन उपचुनावों के नतीजों को देश के मूड के रूप में देखा जा रहा है।

सार समाचार

6 नवंबर तक ईडी की हिरासत में रहेंगे अनिल देशमुख, धनशोधन मामले में हुई थी गिरफ्तारी

मुंबई। धनशोधन मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को मंगलवार को स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया गया। जिसके बाद अदालत ने अनिल देशमुख को 6 नवबंर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी में भेज दिया है। दरअसल, ईडी ने अदालत से अनिल देशमुख की 14 दिन की रिमांड मांगी थी लेकिन अदालत ने उन्हें 6 नवंबर तक की कस्टडी दी है।

जवाब देने से बचते रहे देशमुख

आपको बता दें कि अनिल देशमुख सोमवार को ईडी के सामने पेश हुए थे। इस दौरान ईडी ने उनसे 12 घंटे तक पूछताछ की। इस पूछताछ के बाद देर रात देशमुख को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया था कि देशमुख को पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने दावा किया था कि एनसीपी नेता पूछताछ के दौरान सवालों के जवाब देने से बचते रहे। जिसके बाद एजेंसी उन्हें स्थानीय अदालत में पेश करेगी।

बीजेपी नेता विक्रम रंधावा के खिलाफ मुस्लिमों के खिलाफ अभद्र भाषा बोलने पर एफआईआर दर्ज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता के खिलाफ कथित रूप से एक समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक वीडियो के सामने आने के बाद पूर्व पार्षद विक्रम रंधावा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने रंधावा के इस वीडियो का संज्ञान लिया और उन्हें सोमवार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उन्हें 48 घंटे के भीतर अपना पक्ष रखने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, '' रंधावा के खिलाफ यहां एक पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 295-क और 505 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।'' रंधावा पर दुबई में हुए टी-20 क्रिकेट विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच में पाकिस्तान को मिली जीत के बाद जश्न मनाने की घटनाओं पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। रंधावा को भाजपा ने सोमवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। सुनील सेठी की अध्यक्षता वाली भाजपा अनुशासन समिति ने उनसे 48 घंटे के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। नोटिस में कहा गया, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें आप एक खास समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले बयान देते नजर आ रहे हैं।

वाईएसआरसीपी प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति कोविंद से की मुलाकात, तेदेपा की मान्यता रद्द करने की मांग की

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के सत्तारूढ़ दल युवजन श्रमिक रयाथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ तेलगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेताओं द्वारा कथित अभद्र के इस्तेमाल पर इस विपक्षी दल की मान्यता रद्द करने की मांग की। वाईएसआरसीपी के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले पार्टी महासचिव वी विजय साई रेड्डी ने राष्ट्रपति से केंद्रीय कानून मंत्रालय को अदालतों की अवमानना अधिनियम के समान संसद में कानून बनाने का निर्देश देने का भी आग्रह किया, जिसके तहत संवैधानिक पदाधिकारियों की गरिमा को जानबूझकर ठेस पहुंचाने और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों के लिए दंडित करने का प्रावधान हो। वाईएसआरसीपी ने राष्ट्रपति को दिए एक आवेदन में आरोप लगाया कि तेदेपा राज्य में लोकतांत्रिक प्रगति को नुकसान पहुंचा रही है और राज्य की छवि खराब करने के लिए सार्वजनिक तौर पर अपशब्दों का इस्तेमाल कर रही है। रेड्डी ने कहा कि तेदेपा का कथित अनियंत्रित आचरण जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 का सरासर उल्लंघन है, क्योंकि विपक्षी दल ने ''झूठा प्रचार करके सुनियोजित अभियान'' के जरिये लोगों के दिमाग में जहर भर दिया है। रेड्डी ने कहा कि तेदेपा द्वारा निराधार हमलों से आंध्र प्रदेश में लोकतांत्रिक संस्थानों की गरिमा की रक्षा करना जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रपति से संबंधित अधिकारियों को ''तेदेपा की मान्यता समाप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई'' करने का निर्देश देने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने किया लेडी हार्डिंग अस्पताल का निरीक्षण, डॉक्टरों के साथ की बातचीत

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा संचालित लेडी हार्डिंग (एलएचएमसी) अस्पताल का निरीक्षण किया और वहां अधिकारियों से मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कहा। सूत्रों ने बताया कि अस्पताल के अधिकारियों और डॉक्टरों के साथ बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने जमीनी स्तर पर सुधार की जरूरत पर जोर दिया ताकि सेवाएं सुव्यवस्थित हो सकें और इससे मरीजों को लाभ मिले। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी के दौरान डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दिए गए योगदान की सराहना करते हुए मांडविया ने आने वाले दिनों में इसी तरह सेवाएं देने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया। सूत्रों ने बताया कि मंत्री ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा किया और अधिकारियों से मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कहा।

सीएम योगी का दावा, कहा- मेरे कार्यकाल में की गई एक भी नियुक्ति पर उंगली नहीं उठाई जा सकती

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दावा किया कि उनके अब तक के कार्यकाल में साढ़े चार लाख से ज्यादा नौकरियां दी गई हैं और इनमें से किसी भी नियुक्ति पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। मुख्यमंत्री ने यहां आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में नवनियुक्त 33 सहायक अभियंताओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''पिछले साढ़े चार साल में राज्य सरकार ने शासकीय नियुक्तियों को पारदर्शी तरीके से संपन्न किया है। लगभग साढ़े चार लाख नौजवान अब तक प्रदेश में अलग-अलग विभागों में सरकारी नौकरी प्राप्त कर चुके हैं और एक भी नियुक्ति पर कोई उंगली नहीं उठा सकता क्योंकि सभी पदों पर नियुक्ति पारदर्शी तरीके से की गई है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वर्ष 2002 से लेकर 2017 के बीच जितनी नियुक्तियां शासकीय विभागों या निजी क्षेत्र में नहीं हुई होंगी, उससे कई गुना अधिक नियुक्तियां सिर्फ इन साढ़े चार वर्षों में हुई है। इसके लिए किसी भी अभ्यर्थी को कहीं सिफारिश कराने की जरूरत नहीं पड़ी और जहां कहीं भी हमें थोड़ी भी भनक लगी, उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की गई। अगर यह पूरी श्रम शक्ति ईमानदारी से काम करने में लग जाए तो कोई कारण नहीं है कि हम दूसरी पायदान पर खड़े उत्तर प्रदेश को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने में कहीं पीछे रह जाएंगे।''

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभियंताओं से कहा कि उनकी भूमिका अपने विभाग की छवि को बेहतर बनाने की होनी चाहिए। योगी ने कहा कि राज्य के विकास प्राधिकरणों ने बहुत अच्छा काम करके दिखाया है। यह काम आज से पांच-10 साल पहले भी हो सकता था लेकिन कार्य करने की या तो इच्छाशक्ति नहीं थी या तकनीक जानकारी नहीं थी या फिर लोगों के दिलों दिमाग में भ्रष्टाचार इस कदर हावी हो चुका था कि वह आमजन को तबाह करके अपने घर को भरने में ज्यादा रुचि रुचि ले रहे थे। मुख्यमंत्री ने वर्षा जल पुनरसंचयन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आवास विकास विभाग इसे मिशन मोड पर आगे बढ़ा सकता है। योगी ने यह भी बताया कि कानपुर मेट्रो इस महीने के अंत तक तैयार हो जाएगी और अगले महीने इसके लोकार्पण की उम्मीद है।

दिल्ली में पांच सौ जगहों पर लहरेगा तिरंगा झंडा, सरकार ने दिए निर्देश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली सरकार ने पूरे शहर में 500 स्थानों पर 35 मीटर ऊंचे तिरंगे लगाने के लिए करीब 104 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह जानकारी एक आधिकारिक दस्तावेज से मिली है। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दिल्ली सरकार के देशभक्ति बजट के तहत दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा ऊंचे मस्तूल लगाने की परियोजना शुरू की गई है। इन 500 ऊंचे मस्तूल (खंभा) वाले तिरंगों में से पांच तिरंगे पहले ही लगाए जा चुके हैं। शेष तिरंगों को अगले साल 26 जनवरी तक लगाए जाने की संभावना है। पीडब्ल्यूडी के विशेष सचिव शशि कौशल ने मंजूरी पत्र में कहा कि पीडब्ल्यूडी के प्रधान इंजीनियर के प्रस्ताव के अनुसरण में, दिल्ली के 500 विभिन्न स्थानों पर 35 मीटर ऊंचे मस्तूल वाले तिरंगों की परियोजना के लिए 104.37 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है। दिल्ली सरकार ने मार्च में देशभक्ति पर आधारित अपने वार्षिक बजट की घोषणा की थी और इसे देशभक्ति बजट नाम दिया था। इसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में 500 स्थानों पर ऊंचे तिरंगे लगाने के लिए 45 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। अभी पूर्वी किदवई नगर, रानी बाग, पूर्वी विनोद नगर, कालकाजी और द्वारका में ऐसे तिरंगे लगाए गए हैं। ये तिरंगे कनॉट प्लेस में लगे 200 फुट ऊंचे तिरंगे की तर्ज पर लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे तिरंगे इस तरह से लगाए जाएंगे कि हर दो से तीन किलोमीटर पर कम से कम एक तिरंगा दिखाई दे। उन्होंने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय ध्वज सार्वजनिक स्थानों जैसे बाजारों, पार्कों, मैदानों, बड़े स्कूल भवनों, आवासीय परिसरों में लगाए जाएंगे।

आम आदमी परेशान, आसमान छू रहे हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

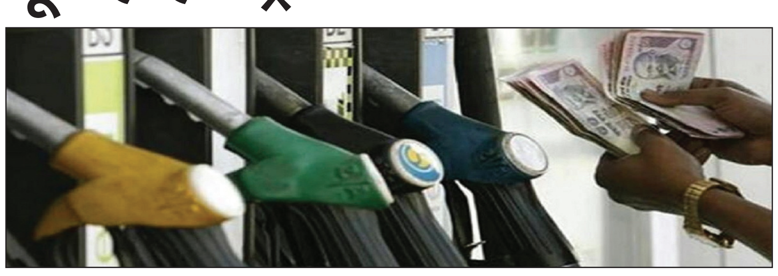

लखनऊ। (एजेंसी)।

भारत में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है। एक नवंबर को दिल्ली में पेट्रोल के दाम बढ़कर करीब 110 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। मुंबई में अब एक लीटर पेट्रोल के दाम करीब 115 रुपये हो गए हैं । जानकारों का मानना है कि अगर सरकार ने कोई बड़ा कदम नहीं उठाया तो पेट्रोल के दाम 120 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच सकते है। हालांकि, कच्चे तेल का उत्पादन करने वाला संगठन OPEC+ इस हफ्ते बैठक करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बैठक में उत्पादन बढ़ाने पर फैसला हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो तेल की कीमतों में गिरावट आएगी जिसका फायदा भारत जैसे देशों को मिलेगा। भारत अपनी जरुरत का 80 फीसदी कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है।

जाने अभी कितनी हैं पेट्रोल डीजल की कीमतें

नवंबर के शुरू में ही दिल्ली में पेट्रोल के दाम 35 पैसे प्रति लीटर बढ़ गए है।सोमवार को नई कीमतें 109.69 रुपये प्रति लीटर हो गई। वहीं, डीज़ल की कीमतें भी 35 पैसे प्रति लीटर बढ़ गए हैं। नए दाम अब 98.42 रुपये प्रति लीटर हो गए है। मुंबई में पेट्रोल के दाम बढ़कर 115.50 रुपये प्रति लीटर और डीज़ल 106.62 रुपये प्रति लीटर हो गए है। कोलकाता में पेट्रोल के दाम अब 110.15 रुपये प्रति लीटर और डीज़ल 101.56 रुपये प्रति लीटर है। आपको बता दें कि चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल के भाव 106.35 रुपये और डीज़ल के दाम 102.59 रुपये प्रति लीटर हो गए है।

इस हफ्ते में होनी है OPEC की बैठक

कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले देशों के संगठन OPEC की नवंबर के पहले हफ्ते में एक अहम बैठक होनी है। इस बैठक में उत्पादन बढ़ाने को लेकर चर्चा होगी। हालांकि, न्यूयॉर्क में अगेन कैपिटल एलएलसी के पार्टनर जॉन किल्डफ का कहना है कि ईरान की ओर से कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ सकती है लेकिन इस बार ओपेक देश उत्पादन बढ़ाएंगे। इसकी संभावना बहुत कम है। कच्चे तेल की कीमतों के तेजी से बढ़ने का ये एक प्रमुख कारण है।ववहीं, दूसरी ओर कई रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि क्रूड उत्पादन बढ़ाने पर OPEC देश एक साथ आ सकते है। क्योंकि ईरान ने परमाणु समझौते पर बातचीत शुरू कर दी है।

किसानों से गोबर खरीदकर बिजली बनाएगी उत्तर प्रदेश सरकार, वाराणसी में बनेगा संयंत्र : मंत्री

मथुरा। उत्तर प्रदेश के पशुधन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों से गोबर खरीदकर बिजली बनाने का काम करेगी। मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत पहले संयंत्र की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में की जाएगी। संयंत्र के दो माह में शुरू होने की उम्मीद है। मंत्री सोमवार को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा 'विकास परियोजना' के तहत वाराणसी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ समेत चार पक्षों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के अवसर संबोधित कर रहे थे। डिजिटल तरीके से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से प्रधानमंत्री की किसानों की आय दोगुनी करने की योजना के तहत डेयरी संयंत्र की उपयोगिता बढ़ जाएगी। इससे किसानों के साथ-साथ दुग्ध संघ को भी अधिक से अधिक मुनाफा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार डेयरी पर दूध लाने वाले किसानों से गोबर खरीदकर बिजली बनाएगी। इससे जहां एक ओर किसानों को अतिरिक्त आय होगी, वहीं गोबर का सही ढंग से इस्तेमाल भी होगा। संयंत्र से निकले गोबर अपशिष्ट से जैविक खाद तैयार की जाएगी। चौधरी ने कहा कि यह पहल दुग्ध उत्पादकों के दूध उत्पादन खर्चों को कम करने और ग्राम स्तर पर निष्पक्ष और पारदर्शी दूध खरीद प्रणाली स्थापित करने में मदद करेगी।

महाराष्ट्र के बाहर शिवसेना की पहली सांसद, 7 बार से एमपी पति का मुंबई में मिला था शव

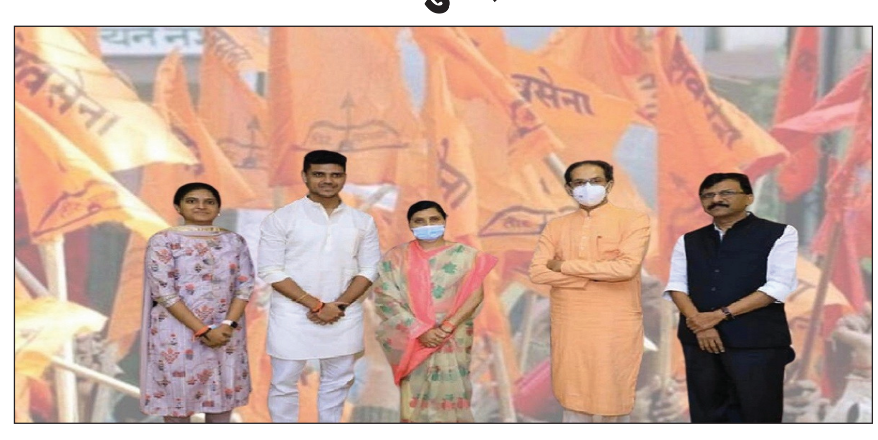

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट से शिवसेना के लिए अच्छी खबर सामने आई। महाराष्ट्र से बाहर शिवसेना की पहली सांसद बनीं। उपचुनाव में पूर्व सांसद दिवंगत मोहन देलकर की पत्नी और शिवसेना उम्मीदवार कलाबेन देलकर ने जीत दर्ज की है। शिवसेना उम्मीदवार कलाबेन देलकर ने 47,447 वोटों से जीत ली है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार महेश गावित को 51 हजार वोटों से हराया। कांग्रेस के महेश धोड़ी इस सीट पर तीसरे नंबर पर रहे हैं। कलाबेन के निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के महेश गावित को 66,766 मत हासिल हुए। महाराष्ट्र सरकार में कांग्रेस और शिवसेना सहयोगी दल हैं लेकिन इन्होंने उपचुनाव अकेले लड़ा। कांग्रेस के उम्मीदवार महेश धोड़ी को 6,150 वोट मिले। बता दें कि इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए 30 अक्टूबर को मतदान हुआ था। यह सीट अनुसूचित जाति के तहत आरक्षित है, जो केन्द्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के अधीन आती है।

निर्दलीय सांसद की मृत्यु पर कराया गया उपचुनाव

उपचुनाव मौजूदा सांसद (निर्दलीय) मोहन देलकर की मृत्यु के कारण कराया गया। मोहन देलकर ने 2019 चुनाव में भाजपा के मौजूदा सांसद नाटुभाई पटेल को 9001 मतों से मात दी थी। देलकर 23 फरवरी को मुंबई के एक होटल में मृत मिले थे। अपने राजनीतिक करियर में वह भाजपा और कांग्रेस दोनों के सदस्य रहे, लेकिन 2019 में दादरा एवं नगर हवेली लोकसभा सीट से उन्होंने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीता था।

होटल में मृत पाए गए थे सांसद

मोहन डेलकर की लाश मुबंई के सी ग्रीन होटल से मिली थी। मोहन डेलकर की मौत बाद विवाद खड़ा हो गया था। शुरू में डेलकर की मौत की वजह आत्महत्या बताई जा रही थी, लेकिन जो सुसाइड नोट मिला था, उसमें दादरा और नगर हवेली के एडमिनिस्ट्रेटर प्रफुल्ल पटेल पर आत्महत्या के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया गया था।

राजनीति से प्रेरित है देशमुख की गिरफ्तारी, गठबंधन नेताओं की छवि खराब करना है मकसद : नवाब मलिक

मुंबई।(एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रवक्ता नवाब मलिक ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है और राज्य की महा विकास आघाड़ी सरकार के नेताओं की छवि खराब करने के मकसद से की गई है। केंद्र पर निशाना साधते हुए, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मलिक ने कहा कि सत्ता का दुरुपयोग कर नेताओं को डराना बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'देशमुख की गिरफ्तारी की समूची कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। यह महा विकास आघाड़ी (शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस गठबंधन) के नेताओं को डराने के मकसद से की गई।' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य पुलिस प्रतिष्ठान में कथित वसूली गिरोह से जुड़े धनशोधन के एक मामले में करीब 12 घंटे की पूछताछ के बाद देशमुख को सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया था। मलिक ने कहा, 'कानून अपना कार्य करेगा। अगर आप लोगों को फंसाएंगे तो सच तो किसी न किसी दिन सामने आ ही जाएगा।' उन्होंने कहा कि केंद्र को मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह के मामले में रुख साफ करना चाहिए जिन्होंने देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। सिंह लापता हैं और दो अलग-अलग मामलों में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हैं। पूर्व में, गठबंधन (एमवीए) नेताओं ने सिंह के लापता होने के पीछे केंद्र का हाथ होने का आरोप लगाया था। देशमुख की गिरफ्तारी राज्य में उद्धव ठाकरे नीत सरकार के लिए एक झटके के तौर पर देखी जा रही है। पिछले महीने, राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने केंद्र पर अपनी एजेंसी या प्रयोग एमवीए शासन को निशाना बनाने के लिए करने का

आरोप लगाया था। महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ नेताओं पर लगे आरोपों की विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं।

समाजवादी पार्टी का हर महीने की तीन तारीख को लखीमपुर किसान स्मृति दिवस मनाने का आह्वान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने लखीमपुर खीरी मामले में भाजपा की क्रूरता के बारे में लोगों को याद दिलाने के लिए हर महीने की तीन तारीख को

लखीमपुर किसान स्मृति दिवस मनाने का आह्वान किया है। समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, ''उत्तर प्रदेश के समस्त निवासियों, किसानों के शुभचिंतकों और सपा तथा अन्य सहयोगी दलों से अपील है कि अब से हर महीने की तीन तारीख को लखीमपुर किसान स्मृति दिवस मनाए और लोगों को भाजपा की क्रूरता की याद दिलाएं। तीन नवंबर को सब किसान स्मृति दीप जलाएं और अन्नदाताओं का मान बढ़ाएं।''

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आधी आबादी-सही दिशा में सधे कदम, पुलिस व्यवस्था और सेना में महिलाओं की निरंतर बढ़ रही भागीदारी

नई दिल्ली। भारत दुनिया का एकमात्र देश है जहां महिलाओं के नाम के साथ 'देवी' शब्द जुड़ा हुआ है। नारी शक्ति स्वरूपा है। भारतीय संस्कृति की संवाहक है। जीवन मूल्यों की संरक्षक है। साथ ही त्याग, दया, क्षमा, प्रेम, वीरता और बलिदान का प्रतीक और गृहलक्ष्मी है। लेकिन कालांतर में इन धारणाओं में परिवर्तन परिलक्षित होने लगा और समाज में स्त्री की स्थिति कमजोर होती गई। वह अशिक्षा, लैंगिक भेदभाव, कुप्रथाओं और पुरुषवादी सोच के कारण घर की दहलीज तक सीमित होकर रह गई। अब एक बार फिर भारतीय संस्कृति में महिलाएं अत्यंत गौरवशाली भूमिका की ओर लौट रही हैं। परिपाटी, रूढ़िवाद, कुप्रथाओं की बेड़ियां टूट रही हैं। 21वीं सदी में जितनी बड़ी संख्या में महिलाएं शिक्षक, इंजीनियर, डाक्टर, विज्ञानी आदि बनकर उच्च पदों पर पहुंचीं और रोजगार के विविध क्षेत्रों में सक्रिय हुईं, अब उससे भी कहीं आगे जाकर आइटी, प्रशासन, शिक्षा और विज्ञान जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ाकर पहचान बनाई है। इसी क्रम में महिलाएं अब स्वाभिमान के साथ स्वावलंबन की ओर बढ़ रही हैं। उन्होंने हमेशा अपने सधे हुए कदमों को सही दिशा की ओर ही आगे बढ़ाया है। अपनी हर जीत को इतिहास के पन्नों पर दर्ज करने योग्य गढ़ा है। पुलिस सिस्टम में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ने और उनकी मौजूदगी बढ़ने से महिलाओं में भरोसा जग सकता है। महिलाएं इन पुलिसकर्मियों से जुड़ाव महसूस कर पाएंगी। संवेदनशीलता के कारण लोग उन पर विश्वास करेंगे। इसी कारण प्रधानमंत्री ने हाल ही में 'मन की बात' करते हुए कहा भी कि पुलिस सिस्टम में कार्यरत महिलाओं को स्कूल जाकर छात्रओं से बातचीत करनी चाहिए।

100 करोड़ वसूली का मामला-ED की सबसे बड़ी कार्रवाई, महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख देर रात गिरफ्तार

मुंबई। 100 करोड़ की वसूली मामले में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को आखिरकार रात 1 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। वे कई दिनों तक लापता रहने के बाद सोमवार सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर अचानक प्रवर्तन निदेशालय ऑफिस पहुंच गए थे। देशमुख को ED ने 5 बार पूछताछ के लिए समन किया था, लेकिन हर बार उनके वकील इंद्रपाल सिंह ही श्वष्ठ ऑफिस पहुंचे थे। उनकी दलील थी कि देशमुख 75 साल के हैं और महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से वे पेश नहीं हो सकते। 13 घंटे की पूछताछ के बाद ED ने पाया कि देशमुख की तरफ से किसी भी सवाल पर संतोषजनक जवाब नहीं दिए गया। ऐसे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और अब कस्टडी के लिए उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी है। श्वष्ठ के असिस्टेंट डायरेक्टर तासीन सुल्तान और उनकी टीम ने देशमुख से लगातार पूछताछ की। अब इस मामले में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी संभव है। पिछले हफ्ते देशमुख की उस याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने श्वष्ठ के समन को रद्द करने की मांग की थी।

ED 100 करोड़ की वसूली मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच कर रही है। देशमुख के साथ उनके बेटे ऋषिकेश देशमुख और पत्नी को दो बार पूछताछ के लिए तलब किया गया था, लेकिन वे भी श्वष्ठ ऑफिस नहीं पहुंचे थे। माना जा रहा है कि देशमुख के बाद आज या कल तक उनके बेटे और पत्नी भी श्वष्ठ के सामने हाजिर हो सकते हैं।

पेशी के बाद देशमुख ने वीडियो मैसेज जारी किया

ED के सामने पेश होने के बाद देशमुख के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट हुआ है। इसमें देशमुख ने कहा- जब-जब ED ने समन किया, मैंने उनका सहयोग किया है। मैंने पहले ही कहा था कि मेरी याचिकाएं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में

लंबित हैं। इसके निपटारे के बाद मैं श्वष्ठ ऑफिस आऊंगा। दो बार CBI ने मेरे यहां रेड की, उसमें भी मैंने पूरा सहयोग किया। अभी भी सुप्रीम कोर्ट में मेरा फैसला आया नहीं है, लेकिन मैं खुद ही श्वष्ठ दफ्तर आया हूं। मेरे ऊपर परमबीर सिंह ने गलत आरोप लगाए थे। आज वही परमबीर सिंह विदेश भाग गए हैं, ऐसी खबर मीडिया के माध्यम से आ रही हैं। उन्हीं परमबीर सिंह के खिलाफ पुलिस विभाग में कई शिकायतें दर्ज हुई हैं।

वकील ने कहा था- सनसनी फैलाने के लिए लगाए आरोप

इससे पहले वकील के जरिए भेजे एक पत्र में देशमुख ने उनके मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने का हवाला दिया था। अनिल देशमुख ने श्वष्ठ को लिखे अपने पत्र में जांच एजेंसी की ओर से ताकत और अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि अभी तक मुझे ED की तरफ से ECIR की कॉपी या अन्य दस्तावेज नहीं दिए गए हैं। जिससे साफ होता हो कि यह समन केवल मीडिया में सनसनी फैलाने के लिए भेजा गया है।

ED भी कर रही है देशमुख की जांच-मुंबई पुलिस के पूर्व पुलिस कमिश्नर और मौजूदा होम गार्ड छ्त्र परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपये की वसूली का आरोप लगाया है, जिसके लिए अनिल देशमुख को महाराष्ट्र के गृहमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस मामले में देशमुख के खिलाफ पहले CBI ने केस दर्ज किया था और फिर उसमें मनी ट्रेल की जानकारी मिलने के बाद श्वष्ठ की एंट्री हुई। श्वष्ठ ने उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। CBI दो बार देशमुख के ठिकानों पर छापेमारी भी कर चुकी है।

देशमुख के PA और PS हुए हैं अरेस्ट-इस मामले में देशमुख के क्क संजीव पलांडे और PS कुंदन शिंदे को अरेस्ट किया था, दोनों फिलहाल केंद्रीय एजेंसी की कस्टडी में हैं। इन पर आरोप हैं कि ये इन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग में देशमुख की मदद की थी। इधर, देशमुख ने श्वष्ठ की पूछताछ से बचने के लिए एक पत्र लिखा था।

ED ने जब्त की थी देशमुख की दो प्रॉपर्टी

इसी मामले में 15 दिन पहले देशमुख और उनके परिवार की 4.2 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त किया गया था। इसमें नागपुर का एक फ्लैट और पनवेल की एक जमीन शामिल है। इसी मामले में देशमुख के क्क संजीव पलांडे और PS कुंदन शिंदे को अरेस्ट किया था, दोनों फिलहाल केंद्रीय एजेंसी की कस्टडी में हैं।

'गंगा उत्सव- द रिवर फेस्टिवल 2021' : शेखावत बोले- गंगा की सफाई सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि गंगा की सफाई सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पवित्र नदी भारत की आर्थिक गतिविधियों का आधार है और देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी की आजीविका इस पर निर्भर है। गंगा उत्सव- द रिवर फेस्टिवल 2021 में शेखावत ने कहा, हम गंगा को आम आदमी से जोड़ने और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत इसे जनआंदोलन बनाने में सफल रहे हैं। ऐसे करोड़ों लोग हैं जो गंगा सफाई की प्रक्रिया में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विविधतापूर्ण देश है और गंगा जैसी नदियां लोगों को जोड़ती और एकजुट करती हैं, इसलिए उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता जरूरी है। पहले गंगा की सफाई को विभाजित तरीके से किया जा रहा था और प्रयास भी तेजी से नहीं किए जा रहे थे। जल शक्ति सचिव पंकज कुमार ने कहा कि एनएमसीजी की वजह से जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय सुधार पहले ही देखा जा सकता है। पानी की गुणवत्ता में सुधार हुआ है फिर चाहे यह घुलित आक्सीजन हो या जैविक आक्सीजन या फिर फेकल कोलीफार्म। इस सुधार

को कई स्थानों पर देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार नदियों की सफाई योजना का विस्तार कर रही है और गंगा के अलावा अन्य नदियों पर भी ध्यान दे रही है। इस मौके पर शेखावत ने क्लैप (कंटीन्यूअस लर्निंग एंड एक्टिविटी पोर्टल) को लांच किया। यह ऐसा पोर्टल है जो देश की नदियों के बारे में संवाद और कार्रवाई शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है।

त्योहारों पर बाजारों में बढ़ने लगी भीड़, देश में कोरोना की संक्रमण दर में हुआ इजाफा

नई दिल्ली। त्योहारों के बीच देश में कोरोना की संक्रमण दर में इजाफा हुआ है। पिछले एक दिन में ही यह 1.13 से बढ़कर 1.42 फीसदी तक पहुंच गई है। हालांकि जांच में कमी आने के बाद नए मरीजों की संख्या भी कम जरूर हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पिछले एक दिन में कोरोना के 12,514 मामले सामने आए हैं। वहीं 251 मरीजों की मौत हुई है। इस दौरान 12,718 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। इससे पहले बीते रविवार को एक दिन में 12,830 नए मामले सामने आए थे और 446 लोगों की मौत हो गई थी। फिलहाल, देश में कुल कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 3,42,85,814 हो गई है। अब तक कोरोना संक्रमण से कुल 4,58,437 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं सक्रिय मरीजों की संख्या कम होकर 1,58,817 हो चुकी है जो 248 दिन में सबसे कम है। देश में अभी कोरोना की सक्रिय दर 0.46 फीसदी है। अब तक कुल 3,36,68,560 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं।

सबसे ज्यादा 7167 नए मामले केरल में मिले-मंत्रालय ने बताया कि केरल में कोरोना वायरस संक्रमण के 7,167 नए मामले सामने आए हैं और 6,439 मरीज एक दिन में ठीक हुए हैं। वहीं इसी दौरान 14 लोगों की कोरोना से मौत हो गई है। राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या 79,185 है। इनके अलावा मुंबई में संक्रमण के 301 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई है और 463 लोग ठीक हुए हैं। यहां अभी सक्रिय मामलों की संख्या 3,966 है।

केरल में कोरोना के कारण बंद पड़े स्कूल फिर खुले-केरल में कोविड-19 के कारण डेढ़ साल से ज्यादा समय तक बंद रहने के बाद स्कूल सोमवार को पुन~ खोल दिए गए। राज्य में पहली से सातवीं कक्षा, दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्र स्कूल पहुंचे जिन्हें कोविड प्रोटोकॉल के तहत सेनिटाईजेशन और थर्मल जांच की प्रक्रिया के बाद कक्षाओं में भेजा गया। स्कूलों को बच्चों के स्वागत में सजाया गया था। स्कूल में बच्चों का तापमान मापा गया, उन्हें सेनिटाइजर और मास्क दिए गए। कक्षा 8, 9 और 11 के बच्चों के लिए ऑफलाइन कक्षाएं 15 नवंबर से चालू होंगी। वहीं, पहली और दूसरी कक्षा के बच्चे पहली बार स्कूल पहुंचे। स्कूल के कर्मचारियों ने उपहार देकर बच्चों का स्वागत किया।

छह निजी फर्म के खिलाफ गठजोड़ करने और नीलामी में हेराफेरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने छह निजी फर्म के खिलाफ शुक्रवार को अंतिम आदेश पारित किया। इन छह फर्म पर प्रतिस्पर्धा कानून 2002 की धारा 3(1) का उल्लंघन करने का आरोप है जो गैर प्रतिस्पर्धी समझौतों को प्रतिबंधित करता है। आयोग ने पाया कि इन फर्म ने फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) को लो डेंसिटी पॉलीएथिलीन कवर्स की आपूर्ति में गठजोड़ बनाकर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कीमतों को नियंत्रित किया, ठेके बांटे, नीलामी मूल्य को लेकर आपस में सहयोग किया और पूरी नीलामी प्रक्रिया में हेराफेरी की। सीसीआई ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि एफसीआई द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर इस मामले को शुरू किया गया था। विज्ञप्ति के अनुसार आयोग ने दोषी पाई गई इन फर्म कंपनियों खिलाफ अंतिम रूप से सीज एंड डेसिस्ट (बंद करो और रोको) आदेश पारित किया है।

हालांकि इनके खिलाफ किसी तरह का आर्थिक जुर्माना लगाने से परहेज किया गया है। आयोग ने इसके पीछे तर्क दिया है कि इन छह में से चार ने मामले की शुरुआत होते ही अपनी गलती मान कर अपनी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा देते हुए आयोग की कार्यवाही में पूरा सहयोग दिया। साथ ही ये सभी फर्म एमएसएमई की श्रेणी में हैं जिनमें बहुत कम स्टाफ और कम टर्नओवर है और कोविड के कारण एमएसएमई सेक्टर पहले से ही बहुत दबाव में है।

रेलवे के 2000 अधिकारियों का भविष्य अधर में, 4 साल से नहीं मिला है प्रमोशन

नई दिल्ली। 20 हजार यात्री ट्रेनों-मालगाड़ियों और रेल संरक्षा की कमान संभाल रहे दो हजार से अधिक रेल अधिकारियों का भविष्य अधर में है। रेलवे बोर्ड की लापरवाही के चलते पिछले चार साल से उक्त अधिकारियों (ग्रुप-बी) का प्रमोशन नहीं हो पा रहा है। इससे आर्थिक नुकसान उठाने के साथ ही रेलवे ग्रुप-ए के पदों पर उनकी नियुक्ति नहीं हो पा रही है। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे में रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले इस वर्ग की उपेक्षा कर रेल संरक्षा से समझौता किया जा रहा है।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभागीय प्रोन्नति समिति (डीपीसी) द्वारा ग्रुप बी के अधिकारियों के प्रमोशन प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा

रहा है। यह सिलसिला 2016-17 से जारी है। 2021-22 ग्रुप बी को सूचीबद्ध नहीं किया गया है। जबकि केंद्र सरकार के नियम कहते हैं कि डीपीसी समय पर होनी चाहिए, जिससे अधिकारियों को 1 अप्रैल से प्रोन्नत कर नियुक्त किया जा सके।

इस बाबत इंडियन रेलवे प्रमोटी ऑफिसर्स फेडरेशन की ओर से रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को लगातार पत्र लिखे जा रहे हैं। मौजूदा रेलवे बोर्ड के चेयरमैन व सीईओ सुमित शर्मा को अप्रैल 2021 में लिखे पत्र में कहा गया है कि नियमत~ रेलवे ग्रुप ए के कुल पदों में से 50 फीसदी पदों पर ग्रुप बी के अधिकारियों को प्रमोट कर नियुक्त करना है। रेलवे में ग्रुप ए के पदों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) से समय पर भरा जा रहा है, लेकिन प्रमोटी अफसरों का प्रमोशन चार साल से लटका हुआ है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

रेलवे विशेषज्ञ पूर्व चीफ रोलिंग स्टॉक इंजीनियर एसके बंसल ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि वित्त मंत्रालय ने 2017 में नियम बनाया था। इसके अनुसार जो पद दो साल तक भरे नहीं जाएंगे, सरकार उनको सीज (समाप्त) कर देगी। रेलवे में ग्रुप बी के साथ हमेशा भेदभाव किया जा रहा है। गत वर्ष ग्रुप बी के पर्सनल कैडर को प्रमोशन दिया गया, लेकिन मैकेनिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर सहित सात कैडर का प्रमोशन चार साल से नहीं हो पा रहा है।

रेल संरक्षा व ट्रेन परिचालन पर असर-प्रमोशन नहीं मिलने से ग्रुप बी के अधिकारियों में हताशा और निराशा घर कर रही है। इसका सीधा असर रेल संरक्षा व ट्रेन परिचालन पर पड़ रहा है। रोलिंग स्टॉक (इंजन-कोच-डिब्बे) की मरम्मत-रखरखाव, रेलवे ट्रैक की मरम्मत व निगरानी, सिग्नल सिस्टम आदि कार्य ग्रुप बी के अधिकारियों के कंधों पर हैं।

पटना रैली में हुए ब्लास्ट में चार आतंकियों को फांसी

दिल्ली। पटना के गांधी मैदान में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री पद के एनडीए उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की 'हुंकार रैली के दौरान हुए सीरियल ब्लास्ट के मामले में चार आतंकियों को फांसी सुनाई गई है.27 अक्टूबर 2013 को हुए सीरियल ब्लास्ट के मामले में चार आतंकियों को फांसी तथा दो को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है. अदालत ने घटना को 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर% मानते हुए आतंकियों को प्राण निकलने तक फांसी पर लटकाए रखने को कहा है. सीरियल ब्लास्ट की घटना के ठीक आठ साल बाद 27 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) कोर्ट के विशेष न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा की अदालत ने इस मामले में नौ आतंकियों को दोषी करार दिया व एक को रिहा कर दिया था. सजा के बिंदु पर 1 नवंबर को सुनवाई की गई. अदालत ने 15 मिनट में एक-एक कर दिए गए अपने फैसले में साजिश के मास्टरमाइंड हैदर अली उर्फ ब्लैक ब्यूटी व नुमान अंसारी, इम्तियाज अंसारी तथा मुजीबुल्लाह अंसारी को फांसी की सजा सुनाई. उमर सिद्दीकी व अजहरुद्दीन कुरैशी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई जबकि अहमद हुसैन व फिरोज आलम को दस-दस साल तथा इफ्तिखार आलम को सात वर्ष की कैद की सजा सुनाई. सभी दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया गया है. अदालत ने यह भी कहा है कि कोई भी आतंकी 30 दिनों के अंदर इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील कर

सकता है अन्यथा दी गई सजा पर अमल किया जाएगा. इनमें पांच झारखंड के, दो छत्तीसगढ़ के तथा दो उत्तर प्रदेश के निवासी हैं. नाबालिग समेत 12 के खिलाफ थी चार्जशीट हैदर, मुजीबुल्लाह, उमर, अजहर तथा इम्तियाज सात जुलाई 2013 को बोधगया (गया) में हुए बम विस्फोट के मामले में भी अभियुक्त हैं तथा पहले से ही उम्रकैद की सजा काट रहे हैं. ये सभी प्रतिबंधित संगठन सिमी (आईएम) के सदस्य थे. इन सभी ने बोधगया में सिलेंडर बम से विस्फोट किया था. हालांकि उस विस्फोट में किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ था.

इस कांड में एक नाबालिग समेत 12 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी. सुनवाई के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई जबकि नाबालिग को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने पहले ही तीन साल की सजा सुना दी थी. फकरुद्दीन नामक एक आरोपी को कोर्ट ने रिहा करने का निर्देश दिया था. सीरियल ब्लास्ट की इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई थी जबकि 89 अन्य घायल हो गए थे. इस कांड की जांच का जिम्मा एनआइए को 31 अक्टूबर 2013 को दिया गया था तथा दिल्ली के एनआइए थाने में एफआइआर 1 नवंबर 2013 को दर्ज की गई थी. पटना के एनआइए कोर्ट में 6 अक्टूबर 2021 को इस कांड की सुनवाई पूरी हुई. 27 अक्टूबर को विशेष अदालत ने नौ आरोपियों को दोषी करार दिया. 20 बमों के सहारे दहलाने की थी साजिश पटना में 20 बम प्लांट किए गए थे जिनमें अकेले गांधी मैदान में 18 बम रखे गए थे. यहां पांच बम विस्फोट हुए जबकि पटना स्टेशन के शौचालय में दो बम फटे. 13 को विस्फोट से पहले बरामद कर लिया गया. आतंकियों का उद्देश्य हर पांच मिनट पर एक विस्फोट करना था. पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 10 के शौचालय में तीसरा बम प्लांट करने के दौरान ही फट गया था.

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com